" दीप हैं जलते रहेंगे, हम प्रलय की आँधियों से अन्त तक लड़ते रहेंगे।"

पूर्वोत्तर भारत शिलचर (असम) से प्रकाशित लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

प्रेरणा भारती

www.preranabharati.com Email: preranabharati@gmail.com

हरिदर्शन
HARIDARSHAN
हमारे यहाँ धार्मिक पुस्तक के साथ
पूजा-पाठ, हवन-पूजन की सामग्री
उचित मूल्य पर प्राप्त करें
मेहरपुर, शिलचर, असम-788015
मो.नं. 9435213512,

Postal Registration No.RN-SC-36/2023-25 (RNI No.) ASSHIN/2016/69550 अंक - 193 वर्ष -11 अषाढ़ शुक्ल षष्ठी 2082 मंगलवार (21 जुलाई 2026) मूल्य-5 रुपये, पृष्ठ-6, preranabharati@gmail.com

असम में बाढ़ से रेल यातायात प्रभावित, सिमालुगुरी सेक्शन में ट्रेनों का परिचालन ठप

दिखौ नदी के उफान से रेलवे ट्रैक और स्टेशन यार्ड जलमग्न, कई ट्रेनें डायवर्ट व रद्द, बस और विशेष ट्रेन की व्यवस्था

गुवाहाटी, २० जुलाई (हि.स.)। ऊपरी असम में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण जनजीवन के साथ-साथ रेल यातायात भी गंभीर रूप से प्रभावित हुआ है। शिवसागर जिले में बहने वाली दिखौ नदी के उफान पर आने से पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूर्सीरे) के तिनसुकिया मंडल के अंतर्गत सिमालुगुरी (एसएलजीआर) और उसके आसपास के क्षेत्रों में व्यापक जलभराव हो गया है। बाढ़ का पानी रेलवे स्टेशन यार्ड, रेल पटरियों, रेलवे कॉलोनी तथा आसपास के इलाकों में भर जाने के कारण कई स्थानों पर ट्रैक पूरी तरह जलमग्न हो गए हैं। कुछ हिस्सों में रेलवे लाइन के ऊपर से भी पानी बह रहा है, जिससे रेल परिचालन पूरी तरह प्रभावित हुआ है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) कपिंजल किशोर शर्मा ने सोमवार को बताया कि यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सिमालुगुरी-नामटियाली तथा सिमालुगुरी-सेलेनघाट रेलखंडों के बीच ट्रेनों का परिचालन अगले आदेश तक निलंबित कर दिया गया है। रेलवे के इंजीनियरिंग और तकनीकी विभाग की टीमें लगातार ट्रैक की निगरानी कर रही हैं और जलस्तर कम होने के बाद ही परिचालन बहाल करने का निर्णय लिया जाएगा। रेलवे के अनुसार, इस व्यवधान के कारण डिब्रूगढ़. और तिनसुकिया से चलने वाली अथवा वहां पहुंचने वाली कई लंबी दूरी की ट्रेनों का मार्ग बदल दिया गया है। अधिकांश ट्रेनों को रंगिया-रंगापारा उत्तर-उत्तर लखीमपुर-डिब्रूगढ़.मार्ग से चलाया जा रहा है। वहीं कई स्थानीय और इंटरसिटी ट्रेनों को पूरी तरह रद्द कर दिया गया है, जबकि कुछ ट्रेनों को निर्धारित गंतव्य से पहले ही रोककर

⇨ शेषांश पृष्ठ ३ पर

असम में बाढ़: एक की मौत, ५७ हजार से अधिक लोग प्रभावित, सेना और वायु सेना बचाव कार्य के लिए तैयार रहने का आह्वान

गुवाहाटी, २० जुलाई (हि.स.)। असम में बाढ़ की स्थिति खराब बीते रविवार से भयावह रूप धारण करती जा रही है। राज्य के सात जिलों में ५७ हजार से अधिक लोग प्रभावित हुए और एक व्यक्ति की मौत हो गई। इसके बाद राज्य सरकार ने लोगों को सुरक्षित निकालने और बचाव कार्यों के लिए भारतीय सेना और भारतीय वायु सेना को तैयार रहने को कहा है।असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के अनुसार, शिवसागर में बाढ़ के कारण एक व्यक्ति की मौत हो गई, जिससे इस साल बाढ़ से मरने वालों की कुल संख्या पांच हो गई है। एएसडीएमए के ताजा बाढ़ बुलेटिन के अनुसार, चराईदेव, धेमाजी, डिब्रूगढ़, जोरहाट, शिवसागर, तिनसुकिया और उदालगुरी जिलों में ५७,१०० से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। शनिवार को चार जिलों में लगभग २४ हजार लोग प्रभावित थे, और अब यह संख्या

⇨ शेषांश पृष्ठ ३ पर

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर सरकार सतर्क : मुख्यमंत्री सरमा

गुवाहाटी, २० जुलाई (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार के लिए प्रत्येक नागरिक का स्वास्थ्य और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग की टीमें बच्चों, गर्भवती महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और बीमार लोगों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कर रही हैं तथा आवश्यक दवाओं और चिकित्सा सामग्री की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है।मुख्यमंत्री ने कहा कि राहत शिविरों और बाढ़ प्रभावित इलाकों में स्वास्थ्य विभाग विशेष सतर्कता के साथ कार्य कर रहा है। सभी स्वास्थ्य शिविरों में पर्याप्त मात्रा में दवाइयों, शिशु आहार और अन्य आवश्यक चिकित्सा सामग्री का भंडारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।उन्होंने बताया कि राज्य सरकार इस कठिन समय में बाढ़ प्रभावित लोगों के साथ मजबूती से खड़ी है और हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मंत्रियों और स्थानीय विधायकों को भी प्रभावित क्षेत्रों में रहकर स्थिति की निगरानी, राहत एवं बचाव कार्यों तथा राहत सामग्री के समय पर वितरण को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।डॉ. सरमा ने विश्वास जताया कि सरकार, जिला प्रशासन और जनता के सामूहिक प्रयासों से इस प्राकृतिक आपदा का प्रभावी ढंग से सामना किया जाएगा।

बराक नदी का जलस्तर बढ़ने पर कछार प्रशासन अलर्ट पर

डीडीएमए ने लोगों से सतर्क रहने, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से दूर रहने और आपातकालीन किट तैयार रखने की अपील की; सभी विभाग चौबीसों घंटे अलर्ट पर

प्रे.सं. शिलचर, २० जुलाई: भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा अगले दो-तीन दिनों तक असम में भारी वर्षा की संभावना जताए जाने तथा पिछले कई घंटों से कछार जिले में लगातार हो रही बारिश के मद्देनजर जिला प्रशासन ने एक विस्तृत जन परामर्श जारी किया है। प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने और सभी आवश्यक एहतियाती उपाय अपनाने की अपील की है, क्योंकि बराक नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है।जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए), कछार द्वारा जारी परामर्श के अनुसार, वर्तमान मौसम परिस्थितियों के कारण जिले के संवेदनशील क्षेत्रों में बाढ़, अचानक आने वाली बाढ़. (फ्लैश फ्लड) तथा शहरी जलभराव की आशंका बढ़ गई है। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि वर्षा का वर्तमान दौर जारी रहा, तो जिले के कई निचले इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है। जिला प्रशासन ने बताया कि स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है तथा सभी संबंधित विभागों, आपदा प्रतिक्रिया एजेंसियों और मैदानी कर्मचारियों को उच्च सतर्कता पर रहने के निर्देश दिए गए हैं। किसी भी संभावित बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक तैयारियां और त्वरित कार्रवाई की व्यवस्था पहले से कर ली गई है।डीडीएमए ने नागरिकों से अपील की है कि भारी वर्षा के दौरान निचले, बाढ़. संभावित तथा

⇨ शेषांश पृष्ठ ३ पर

त्रिपुरा के डीजीपी अनुराग धनखड़ का अपने ऑफिस में मिला शव, हेडक्वार्टर में मचा हड़कंप

नई दिल्ली. (एजें) २० जुलाई त्रिपुरा में एक दुखद व हैरान करने वाली घटना घटी है. प्रदेश के पुलिस मुखिया यानी डीजीपी अनुराग धनखड़. का शव उन्हीं के ऑफिस में मिला है. इससे अगरतला में पुलिस मुख्यालय में हड़कंप की स्थिति मच गई है. अभी तक सुसाइड की आशंका जताई जा रही है.सोमवार को अगरतला स्थित पुलिस मुख्यालय में उस समय हड़कंप मच गया जब पुलिस मुखिया डीजीपी अनुराग धनखड़. का शव उन्हीं के ऑफिस में मिला. घटना के बाद उन्हें तुरंत जीबीपी (गोविंद बल्लभ पंत) अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. शुरुआती जानकारी के अनुसार, पुलिस इस मामले को संदिग्ध आत्महत्या मानकर जांच कर रही है.

कौन थे आईपीएस अनुराग धनखड़? अनुराग धनखड़. एक अनुभवी आईपीएस अधिकारी थे. १९९४ बैच के इस अधिकारी ने ३० साल से ज्यादा समय तक त्रिपुरा पुलिस और कई केंद्रीय एजेंसियों में अहम जिम्मेदारियां निभाईं. मई २०२५ में उन्हें त्रिपुरा का डीजीपी नियुक्त किया गया था, जबकि इससे पहले वे राज्य के खुफिया विभाग के प्रमुख भी रह चुके थे.धनखड़. ने सीबीआई, बीएसएफ, सीआईएसएफ और संयुक्त राष्ट्र के कोसोवो शांति मिशन में भी सेवाएं दी थीं. सीबीआई में रहते हुए उन्होंने पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) घोटाले के आरोपी नीरव मोदी से जुड़े.मामले की जांच का नेतृत्व किया था. इसके अलावा उन्होंने सीबीआई में एसपी, डीआईजी, संयुक्त निदेशक और अतिरिक्त निदेशक जैसे कई महत्वपूर्ण पदों पर भी काम किया. वहीं, सीआईएसएफ में भी वे महानिरीक्षक (कार्मिक) की जिम्मेदारी संभाल चुके थे. उन्होंने गृह मंत्रालय के अधीन १९८४ के सिख विरोधी दंगों की विशेष जांच टीम के अध्यक्ष का पद भी संभाला था. जानकारी के अनुसार, अनुराग धनखड़.मूल रूप से यूपी के बागपत के रहने वाले हैं.

मेडिकल रोड के मेहरपुर में सड़क के गड्ढे में गिरकर पलटा ई-रिक्शा, समाजसेवी ने खुद संभाली गड्ढे भरने की जिम्मेदारी

प्रे.सं.शिलचर, २० जुलाई। शिलचर मेडिकल रोड के मेहरपुर इलाके में सोमवार सुबह सड़क पर बने बड़े गड्ढे में गिरकर एक ई-रिक्शा पलट गया। हालांकि, सौभाग्य से दुर्घटना में किसी के गंभीर रूप से घायल होने की खबर नहीं है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में सड़क की जर्जर स्थिति को लेकर भारी नाराजगी और चिंता देखी गई।दुर्घटना के

⇨ शेषांश पृष्ठ ३ पर

टिओक में NH-37 डूबा, बाढ़ से अपर असम में सड़क यातायात ठप

टिओक/जोरहाट (अर्णव शर्मा) २० जुलाई : : सोमवार को अपर असम में बाढ़ की स्थिति और गंभीर हो गई, क्योंकि टिओक के पास नेशनल हाईवे-३७ (जिसे अब छक-७१५ नाम दिया गया है) का एक अहम हिस्सा बाढ़ के पानी में डूब गया। इससे भारी ट्रैफिक जाम लग गया और पूरे इलाके में सड़क संपर्क बुरी तरह प्रभावित हुआ।हाईवे के कुछ हिस्सों पर बाढ़ का पानी चढ़ने के कारण ट्रकों, बसों, यात्री वाहनों और इमरजेंसी सर्विस वाली गाडिय़ों की कई किलोमीटर लंबी कतारें लग गईं। यात्रियों ने घंटों तक फंसे रहने की बात कही, साथ ही जरूरी सामान और ईंधन की सप्लाई भी प्रभावित हुई।टिओक वाला यह हिस्सा जोरहाट, शिवसागर, डिब्रूगढ़, तिनसुकिया और अपर असम के अन्य जिलों को जोड़ने वाले सबसे अहम सड़क मार्गों में से एक है। हाईवे के डूबने से सामान्य परिवहन व्यवस्था गड़बड़ा गई है, जिससे बाढ़ से प्रभावित लोगों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं।हाईवे पर यह रुकावट लगातार हो रही बारिश के बीच आई है, जिसने जोरहाट, शिवसागर और आस-पास के जिलों के बड़े हिस्सों को जलमग्न कर दिया है। नदियों का उफान, निचले इलाकों में जलभराव और तटबंधों के टूटने से संकट और गहरा गया है, जिससे अधिकारियों को हाई अलर्ट पर रहना पड़ रहा है। कई प्रभावित जिलों में बचाव और राहत कार्य जारी हैं क्योंकि बाढ़ की स्थिति अभी भी गंभीर बनी हुई है। ट्रैफिक अधिकारियों और जिला प्रशासन ने वाहन चालकों से प्रभावित हिस्से से गुजरते समय बहुत सावधानी बरतने और पानी का स्तर कम होने तक गैर-जरूरी यात्राओं

⇨ शेषांश पृष्ठ ३ पर

शिलचर में जलजमाव से नागरिक जीवन बेहाल, मुख्यमंत्री को सौंपा गया ज्ञापन

हजारों लोग वर्षों से जलजमाव की समस्या से परेशान

प्रे.सं.शिलचर, २० जुलाई। शिलचर शहर के माइकल मधुसूदन सरणी, विद्यासागर सरणी सहित आसपास के विस्तृत इलाकों में जलजमाव और विभिन्न नागरिक समस्याओं को लेकर स्थानीय निवासियों में गहरा असंतोष व्याप्त है। समस्या के स्थायी समाधान की मांग को लेकर क्षेत्रवासियों की ओर से असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व शर्मा को ज्ञापन सौंपा गया है।सोमवार को क्षेत्रवासियों की ओर से राजदीप दाम, अरूप गोस्वामी, गौतम दे, समरेंद्र आचार्य सहित अन्य लोगों ने नागरिकों की समस्याओं को सामने रखते हुए कहा कि जलजमाव के कारण लोगों का सामान्य जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो रहा है। बारिश के बाद सड़कों और आसपास के इलाकों में पानी जमा हो जाने से आवागमन, स्वास्थ्य और दैनिक जीवन में लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।स्थानीय निवासियों के अनुसार, माइकल मधुसूदन सरणी और विद्यासागर सरणी क्षेत्र के लोग पिछले सात-आठ वर्षों से जलजमाव की समस्या से जूझ रहे हैं। क्षेत्र के एक हजार से अधिक निवासी इस समस्या के स्थायी समाधान की प्रतीक्षा कर रहे हैं। लोगों ने मुख्यमंत्री से मामले में तत्काल हस्तक्षेप कर जलनिकासी व्यवस्था में सुधार तथा जलजमाव की समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित करने की मांग की है।

बिजली कटौती, स्मार्ट मीटर, बिजली की मांग को लेकर एपीडीसीएल को ज्ञापन

चंद्रशेखर ग्वाला शिलचर, २० जुलाई: ऑल असम इलेक्ट्रिसिटी कंज्यूमर्स एसोसिएशन की कछार जिला समन्वय समिति ने सोमवार को शिलचर के इटखोला स्थित एपीडीसीएल कार्यालय के एसडीई के माध्यम से मुख्यमंत्री एवं राज्य के विद्युत विभाग के प्रभारी को चार सूत्री मांगों वाला ज्ञापन सौंपा।संगठन के संयुक्त महासचिव संजीव राय ने कहा कि भीषण गर्मी के दौरान घंटों की लोडशेडिंग तथा हल्की बारिश या तेज हवा में भी बिजली आपूर्ति बाधित होने से उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने इन समस्याओं के स्थायी समाधान की मांग की।ज्ञापन में राज्य के घरेलू उपभोक्ताओं को न्यूनतम २००

⇨ शेषांश पृष्ठ ३ पर

संसद सत्र शुरू : लोस में भारी हंगामा, पेपर लीक-चढ़ावा चोरी पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक

नई दिल्ली. (एजें) २० जुलाई संसद के मानसून सत्र में सोमवार को लोकसभा में नीट पेपर लीक और राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मुद्दों पर विपक्षी सांसदों ने जमकर हंगामा किया. विपक्षी सांसदों ने विभिन्न राष्ट्रीय मुद्दों पर तत्काल चर्चा की मांग करते हुए नारेबाजी की, जिससे सदन का माहौल गर्मी गया.लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सदस्य अपनी सीटों से उठकर सदन के मध्य भाग में पहुंच गए और सरकार के खिलाफ नारे लगाने लगे. कुछ सांसदों ने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की मांग करते हुए स्पीकर से हस्तक्षेप की अपील की. लगातार हंगामे के बीच स्पीकर ओम बिरला ने सदस्यों से सदन की गरिमा बनाए रखने और नियमों के तहत अपनी बात रखने का आग्रह किया.स्पीकर ने कहा कि संसद संवाद और सार्थक चर्चा का मंच है तथा सभी सदस्यों को नियमानुसार अपनी बात रखने का अवसर दिया जाएगा. उन्होंने तख्तियां दिखाने और नारेबाजी से बचने की सलाह देते हुए कहा कि इससे संसदीय परंपराओं को नुकसान पहुंचता है. शोर-शराबा जारी रहने पर लोकसभा की कार्यवाही दोपहर १२ बजे तक स्थगित कर दी गई.

उधर, राज्यसभा में भी विपक्ष ने प्रदर्शनकारियों और छात्रों से जुड़े मुद्दों को लेकर सरकार को घेरा. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों के साथ कथित पुलिस कार्रवाई का मुद्दा उठाते हुए सरकार से जवाब मांगा. उनके बयान के बाद सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्यों के बीच तीखी नोकझोंक शुरू हो गई, जिससे सदन में हंगामे की स्थिति बन गई.

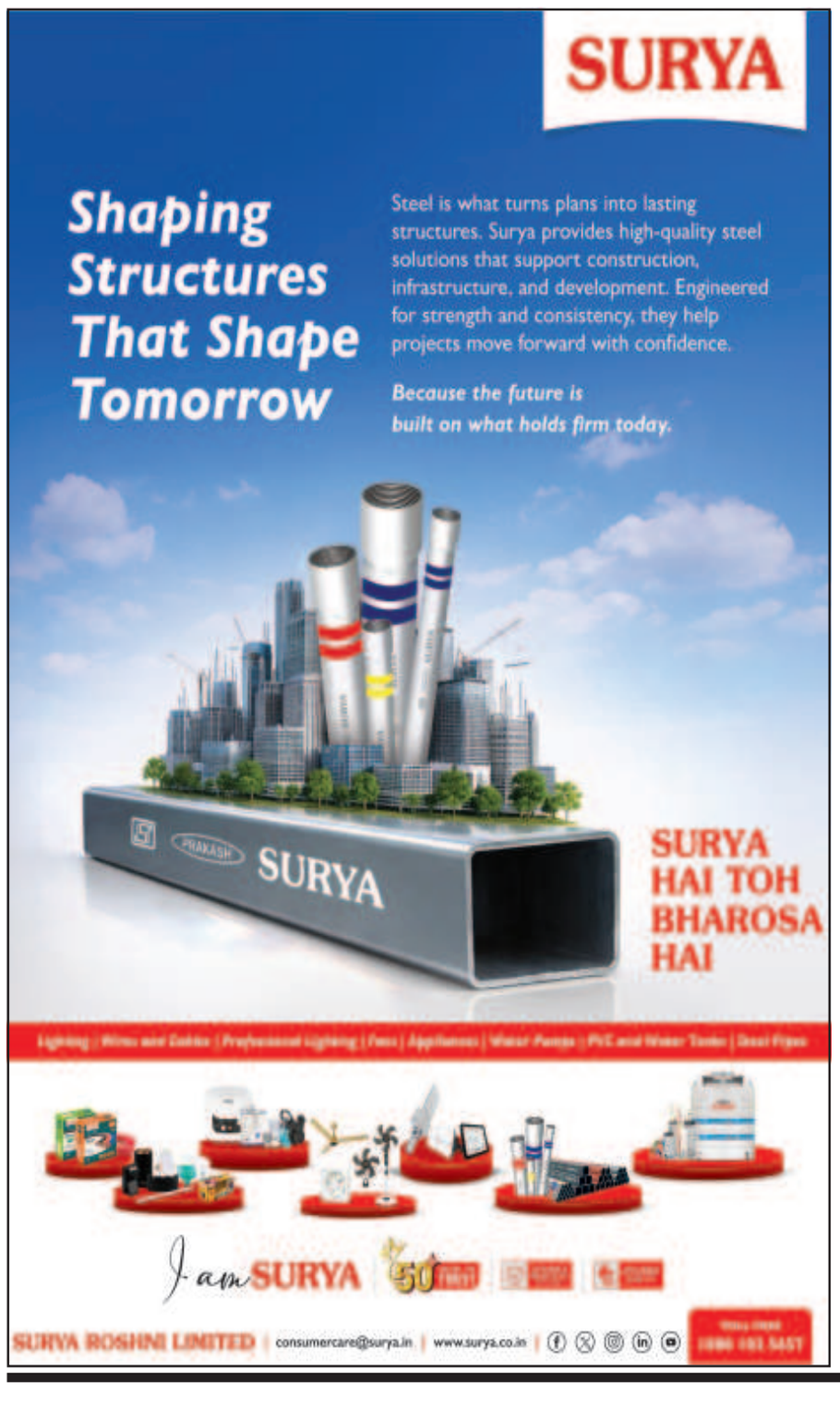

!! नकारात्मक विचारों का आना तय है, परन्तु यह आप पर निर्भर करता है कि आप उन्हे कितना महत्व देते हैं। !!

सम्पादकीय.....

परमाणु ऊर्जा परियोजना का डेटा लीक

कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा परियोजना में शामिल एक ठेकेदार पर हुआ रैन्समवेयर हमला चिंताजनक है, भले ही संयंत्र की अखंडता को खतरे में डालने वाली कोई चीज चोरी न हुई हो। साल २०१९ में, इसी प्रतिष्ठान के प्रशासनिक नेटवर्क पर मैलवेयर मिला था, लेकिन एनपीसीआईएल का कहना था कि चालू रिएक्टर इससे प्रभावित नहीं हुआ। ताजा घटना उसी थीम का विस्तार है। भारत की सुरक्षा-उल्लंघन खुलासा (ब्रीच डिस्क्लोजर) व्यवस्था भरोसेमंद नहीं है और अक्सर ही स्पष्ट रूप से अपारदशी है। प्रभावित संगठनों का मानना होता है कि सुरक्षा-उल्लंघन को स्वीकार करना जनता के भरोसे, शेयर की कीमतों, ठेकों को नुकसान पहुंचायेगा, और विनियामकीय छानबीन को न्योता होगा। इसलिए, वे सार्वजनिक बयानों में मामले को हल्का बनाना, और बाध्य न किये जाने तक खुलासे से बचना चाहते हैं। कई संगठनों में घटना पर परिपक्वप्रतिक्रिया देने की क्षमता का अभाव भी होता है, जो असामान्य नहीं है क्योंकि वे साइबर सुरक्षा को आवश्यकता के बजाय बस नियमों के अनुपालन का मामला मानते हैं। इसलिए, किसी हमले के शुरुआती चरणों में कौन-सा डेटा प्रभावित हुआ है, यह आकलन करना तकनीकी रूप से असंभव हो जाता है। सार्वजनिक जानकारी के मुताबिक, इस प्रतिष्ठान का मुख्य बुनियादी ढांचा अप्रभावित है; उसके बजाय, 'वर्ल्ड लीक्स' कहलाने वाले समूह के हमले में रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर से जुडे सिस्टम प्रभावित हुए। यह कंपनी यूनिट ३ और ४ के इंजीनियरिंग ठेकेदारों में से एक है। इस घटना में डेटा होस्ट करने वाली योट्टा डेटा सर्विसेज ने बताया कि उसने २९ मई को अपने सर्वरों पर संदिग्ध गतिविधियों का पता लगाया।

ओपन-सोर्स इंटेलिजेंस प्लेटफार्म 'रैन्समलुक' के मुताबिक, यह डेटा ११ जून को 'वर्ल्ड लीक्स' पर दिखना शुरू हुआ। मगर एनपीसीआईएल ने औपचारिक स्पष्टीकरण १५ जुलाई को जाकर जारी किया, जब काफी मीडिया रिपोर्ट आ चुकी थीं। लगभग १४.३ जीबी फाइलें जारी की गयीं, जिसमें वेंटीलेशन सिस्टम का लेआउट, कथित "कंट्रोल रूम" का फ्लोर प्लान, आपूर्तिकर्ताओं और वेंडरों की सूचियां, और बीमा संबंधी लिखा-पढी शामिल हैं। इन फाइलों की असलियत स्वतंत्र रूप से प्रमाणित नहीं हुई है, लेकिन यह काम करने वालों और उनके मकसद को बारीकी से देखने की जरूरत है। एनपीसीआईएल ने कहा है कि ये फाइलें इस प्रतिष्ठान का जो न्यूक्लियर आइलैंड है, केवल उससे बाहर के बुनियादी ढांचे से संबंधित हैं।

गुवाहाटी के मालीगांव में भूस्खलन, एक ही परिवार के चार लोग घायल

गुवाहाटी, २० जुलाई (हि.स.)। लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण गुवाहाटी के मालीगांव स्थित माधवदेव नगर (गोशाला क्षेत्र) में सोमवार को भीषण भूस्खलन हो गया। पहाड से भारी मात्रा में मिट्टी खिसककर रेलवे कर्मचारी रंजीत दास के घर पर आ गिरा।

स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए मलबे में फंसे परिवार के चारों सदस्यों को जीवित बाहर निकाल लिया। घायलों में रंजीत दास, उनकी पत्नी सावित्री दास तथा उनका पुत्र और पुत्री शामिल हैं।घायलों को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों के अनुसार, घायलों में एक की हालत गंभीर बनी हुई है। लगातार बारिश के चलते क्षेत्र में सतर्कता बरती जा रही है।

वायुमण्डलीय ट्रैफिक जाम की चपेट में यूरोप

-डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

बात अचरज भरी लग सकती है पर सही मायने में देखा जाए तो यूरोप जिस तरह हीटवेव की चपेट में आया है, उसका बड़ा और प्रमुख कारण वायुमण्डलीय ट्रैफिक जाम है। यूरोपीय देश गंभीर हीटवेव की चपेट में हैं। इस तरह की हीटवेव का कारण ओमेगा ब्लॉक की स्थिति होती है। यूरोप के वायुमण्डल में हीट डोम बनने के कारण ऐसा हुआ है।मौसम विज्ञानियों का मानना है कि सामान्य रुप से हवाएं पश्चिम से पूर्व की ओर बहते हुए आगे बढ़ती है। ओमेगा ब्लॉक की स्थिति में हवाएं उत्तर और दक्षिण की ओर मुड़कर ग्रीक शब्द ओमेगा का आकार बना लेती है और इस तरह वायुमण्डल में ट्रैफिक जाम के हालात हो जाते हैं। इससे आसमान साफ हो जाता है, गर्म हवाएं क्षेत्र विशेष में फंस जाती है और सूरज की किरणें सीधे उस इलाके में पड़ने लगती है। यह स्थिति तेज गमी और उसके असर के रूप में सामने आती है। इसी वजह से हीटवेव का असर अधिक हो जाता है। मौसम विज्ञानियों का मानना है कि सामान्यतः यह हालात दो-तीन दिन या सप्ताह तक रह सकते हैं पर इस बार यूरोप में यह दौर लंबा चला। इससे इंग्लैण्ड, फ्रांस, इटली, जर्मनी सहित यूरोप के करीब २३ देश प्रभावित हैं।

आस्ट्रेलियाई नेशनल यूनिवर्सिटी और सिडनी यूनिवर्सिटी की नेचर पत्रिका में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार वैज्ञानिकों ने छह बड़े हीटवेवों का अध्ययन किया है। जलवायु परिवर्तन, नमी बढ़ने, गगनचुंबी इमारतों में तापमान रोधक सामग्री का उपयोग ना के बराबर होने और सुविधा के नाम पर इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के अत्यधिक उपयोग से वातावरण प्रभावित हो रहा है। सामान्यतः यह माना जाता है कि अधिक गर्मी बच्चों-बुजुगी के लिए जानलेवा हो जाती है पर इस बार की हीटवेव अपना रौद्र रुप दिखा रही है। दरअसल, यूरोपवासी इतनी गर्मी के आदी भी नहीं हैं। इसके साथ हीटवेव का असर इतना अधिक है कि शरीर स्वयं अपने आपको तापमान अनुकूल नहीं बना पा रहा है।

यूरोप में हीटवेव के चलते हालात इतने खराब हो गए कि सड़कों की डामर पिघल गई, रेल की पटरियां टेड़ी-मेड़ी हो गई। इससे हालात की गंभीरता को समझा जा सकता है। इसके कारण यातायात तक बाधित हो गया है। हीटवेव के कारण जंगलों में आग के समाचार आम हो रहे हैं तो विश्व स्वास्थ्य संगठन ने हालात के चलते

चेतावनी जारी की है। यूरोपीय देशों में तापमान ४० सेल्सियस से अधिक पहुंच गया और इससे जनजीवन बुरी तक प्रभावित हो गया है। देखा जाए तो यूरोप का मौसम संतुलन बिगड़ गया है।

कृति के साथ अत्यधिक छेड़छाड का परिणाम समूचा विश्व भुगत रहा है। तापमान में बढ़ोतरी वैश्विक है पर यूरोप में इस बार हीटवेव के हालात अधिक गंभीर हो गये हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की मानें तो हीटवेव के कारण यूरोप में एक तरह से हेल्थ इमरजेंसी के हालात बन गए और तेज गर्मी के कारण मौसम जनित बीमारियों और हीटवेव की चपेट में आने से बडी संख्या में लोगों को जीवन से हाथ धोना पड़ा है। प्रकृति की नाराजगी का असर अब गंभीरता से सामने आ रहा है। जनजीवन जहां अस्त-व्यस्त हो रहा है, वहीं विश्लेषकों की मानें तो यूरोपीय देशों की अर्थव्यवस्था पर आज के हालात में ११ लाख करोड़ का असर पड़ने की आशंका है, वहीं साल २०३० तक यूरोप को ६१ लाख करोड़ का नुकसान भुगतने के लिए तैयार रहना होगा।

सीधी-सी बात है कि यह प्राकृतिक प्रकोप एक दिन की देन नहीं है। हालात को देखते हुए यूरोपीय देशों में एयर कण्डीशनर जैसे उपकरणों की अत्यधिक मांग बढ़ी है। यहां तक कि इंग्लैण्ड में ३०० फीसदी से अधिक तो फ्रांस में हजार फीसदी तक मांग बढ़ गई है। इसके साथ तापमान नियंत्रित करने वाले अन्य उपकरण फ्रीज आदि की मांग बढ़ी है। हीटवेव का असर जहां सीधे तौर पर स्वास्थ्य पर पड़ता है वहीं, पूरी इकोनॉमी को तहस-नहस करने या प्रभावित करने में हीटवेव की भूमिका रहती है। स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होने के साथ हीटवेव के कारण हालात सबकुछ ठहर जाने जैसे हो जाते हैं।ऐसा नहीं है कि ओमेगा ब्लॉक पहली बार बन रहे हों बल्कि ओमेगा ब्लॉक पहले भी बनते रहे हैं पर एक ओर जिस तरह धरती का तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है और जिस तरह ग्लेशियरों की पिघलने की गति तेज हुई और प्रदूषण का स्तर दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है उसके गंभीर दुष्परिणाम सामने आने लगे हैं। अब ओमेगा ब्लॉक की अवधि बढ़ती जा रही है। इसका प्रभाव पहले से अधिक गंभीर रहा है। ऐसे में कहीं-ना-कहीं गंभीर प्रयास करने होंगे ताकि इस तरह के हालात ना हो। हमें इस तरह के हालात बनाने होंगे जो प्रकृति अनुकूल हो। अन्यथा पृथ्वी पर जीवन को ही संकट में डालने की दिशा में हम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। यह मानव सभ्यता के लिए गंभीर चुनौती से कम नहीं है। वैज्ञानिक तो यहां तक कहने लगे हैं कि भविष्य में दो से तीन डिग्री तापमान में बढ़ोतरी भी गंभीर संकट वाली होगी।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

दूषित पानी में डूबती स्वच्छता की उम्मीद

खुशबू कुमारी
सीतामढी, बिहार

स्वच्छता केवल झाडू लगाने, कूडा उठाने या चमकती सडकों तक सीमित नहीं है. यह लोगों के स्वास्थ्य, सम्मान और सुरक्षित जीवन से जुडा एक बुनियादी प्रश्न है. किसी भी गांव की पहचान केवल उसकी पक्की सडकें नहीं होती, बल्कि यह भी देखा जाता है कि वहां रहने वाले लोग कितने स्वस्थ हैं, बच्चों को स्कूल जाने में कितनी सुविधा है और सार्वजनिक स्थान कितने सुरक्षित हैं.

लेकिन विडंबना यह है कि आज भी बिहार सहित देश के अनेक ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता और आधारभूत व्यवस्थाओं की कमी के कारण ऐसी समस्याएं पूरी तरह से समाप्त नहीं हुई हैं, जिनका असर सीधे लोगों के दैनिक जीवन पर पडता है. इनमें सबसे बडी समस्या घरों से निकलने वाले गंदे पानी की उचित निकासी का नहीं होना है. ग्रामीण इलाकों में अक्सर प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना के तहत सडक निर्माण तो करा दिया जाता है, लेकिन उसके साथ जल निकासी की समुचित व्यवस्था पर ध्यान नहीं दिया जाता है.परिणामस्वरूप लोगों के पास अपने घरों से निकलने वाले गंदे पानी को सडक पर बहाने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं बचता है. धीरे-धीरे यही सडकें गंदे और दूषित पानी से भर जाती हैं. यह पानी केवल बदबू ही नहीं फैलाता है, बल्कि मच्छरों और अन्य रोग फैलाने वाले जीवों के पनपने का भी कारण बनता है. ऐसे माहौल में छोटे बच्चे, बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएं और बीमार लोग सबसे अधिक प्रभावित होते हैं. यह समस्या केवल व्यक्तिगत नहीं रहती, बल्कि पूरे गांव के स्वास्थ्य और सामाजिक जीवन को प्रभावित करने लगती है.

सीतामढी जिले के रीगा प्रखंड का रामनगर गांव इस स्थिति का एक उदाहरण है. गांव में पक्की सडक का निर्माण तो हो गया, जिससे लोगों को उम्मीद थी कि आवागमन आसान होगा. लेकिन सडक बनने के बाद भी नालियों की निकासी की व्यवस्था नहीं की गई. नतीजतन अधिकांश घरों का गंदा पानी उसी सडक पर बहने लगा. बरसात के दिनों में स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती है, जब सडक और नाली का अंतर लगभग समाप्त हो जाता है. पानी लंबे समय तक जमा रहता है, जिससे दुर्गंध फैलती है और सडक पर चलना कठिन हो जाता है.

इसका सबसे अधिक असर उन बच्चों पर पडता है जो प्रतिदिन इसी रास्ते से स्कूल जाते हैं. कई बार उन्हें गंदे पानी से होकर गुजरना पडता है. जिससे उनके स्कूल ड्रेस और जूते गंदे हो जाते हैं, फिसलने का भी खतरा बना रहता है और बरसात के समय यह समस्या कई गुना बढ जाती है. शिक्षा तक पहुंचने का रास्ता यदि गंदगी और असुरक्षित हो जाए, तो यह केवल सफाई का नहीं बल्कि बच्चों के अधिकार और गरिमापूर्ण जीवन का भी प्रश्न बन जाता है.

गांव की निवासी रामरती देवी कहती हैं, 'हमें मजबूरी में सडक पर ही घर के नाले का रास्ता खोलना पडा क्योंकि नाले की निकासी की कोई व्यवस्था नहीं है. अगर नाली बनी होती तो कौन चाहता कि उसके घर का गंदा पानी सामने सडक पर बहे?' रामरती देवी की यह बात कहीं न कहीं यह एहसास कराती है कि कई बार लोग जानबूझकर गंदगी नहीं फैलाते, बल्कि व्यवस्था की कमी उन्हें ऐसा करने के लिए विवश कर देती है. इसलिए केवल लोगों को दोष देना पर्याप्त नहीं होगा. आवश्यक है कि बुनियादी सुविधाओं और नागरिक जागरूकता, दोनों पर समान रूप से काम किया जाए.

गांव के ४७ वर्षीय अनिल बताते हैं कि "यह समस्या केवल गंदगी तक सीमित नहीं रहती. कई बार पानी बहते-बहते दूसरे लोगों के दरवाजे तक पहुंच जाता है. इसी बात को लेकर गांव में लोगों के बीच झगडे भी हो जाते हैं. छोटी-सी बात धीरे-धीरे आपसी विवाद का कारण बन जाती है.' यह स्थिति बताती है कि जहां बुनियादी सुविधाओं का अभाव होता है, वहां छोटे-छोटे संसाधनों को लेकर तनाव और विवाद बढने लगते हैं.

स्वास्थ्य विशेषज्ञ लंबे समय से चेतावनी देते रहे हैं कि गंदा और ठहरा हुआ पानी डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, दस्त और अन्य जल जनित तथा वेक्टर जनित बीमारियों के फैलने का प्रमुख कारण बन सकता है. विशेष रूप से बच्चों और बुजुर्गों की रोग प्रतिरोधक क्षमता अपेक्षाकृत कम होने के कारण वे सबसे पहले इसकी चपेट में आते हैं. इसलिए जल निकासी की व्यवस्था केवल निर्माण कार्य नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण हिस्सा है.

भारत सरकार के स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण में गांवों के मूल्यांकन के दौरान केवल शौचालयों की उपलब्धता ही नहीं, बल्कि ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, स्वच्छ सार्वजनिक स्थान, नालियों की व्यवस्था और सामुदायिक स्वच्छता जैसे मानकों को भी महत्व दिया जाता है. इसी प्रकार जल शक्ति मंत्रालय द्वारा भी ग्रामीण क्षेत्रों में तरल अपशिष्ट प्रबंधन को स्वच्छ और स्वस्थ गांव की अनिवार्य आवश्यकता माना गया है. यदि गांवों में गंदे पानी की निकासी की उचित व्यवस्था नहीं होगी, तो इसका असर न केवल लोगों के स्वास्थ्य पर पडेगा बल्कि स्वच्छता संबंधी मूल्यांकन और रैंकिंग में भी गांव तथा पंचायत पिछड सकते हैं.

दरअसल, स्वच्छता केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है और न ही यह केवल नागरिकों का दायित्व है. यह दोनों के साझा प्रयास से ही संभव है. पंचायतों को सडक निर्माण के साथ नालियों और जल निकासी की वैज्ञानिक व्यवस्था को भी प्राथमिकता देनी होगी. वहीं ग्रामीणों को भी यह समझना होगा कि घर का गंदा पानी सार्वजनिक सडक पर बहाना समस्या का स्थायी समाधान नहीं है. यदि गांव स्तर पर नियमित बैठकें आयोजित हों, स्वच्छता समितियां सक्रिय हों और लोग सामूहिक रूप से समाधान तलाशें, तो इस समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है.

आज आवश्यकता इस बात की है कि गांवों में जल निकासी को विकास योजनाओं का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाए. नई सडक बनने से पहले या उसके साथ नालियों की योजना तैयार हो. जहां संभव हो, वहां सोख्ता गड्ढे, सामुदायिक ड्रेनेज व्यवस्था और वर्षा जल प्रबंधन जैसी तकनीकों का उपयोग किया जाए. पंचायत स्तर पर नियमित सफाई, नालियों की देखरेख और लोगों के बीच स्वच्छता के प्रति व्यवहार परिवर्तन पर भी काम करने की ज़रूरत है.

प्रेम विवाह - फिर दरार क्यूं

किशन लाल शर्मा

यूं तो शादी के अनेक तरीके हैं लेकिन मुख्यतः पारंपरिक विवाह या अरेंज मैरिज ही लोकप्रिय है। प्रेम दोनों में होता है लेकिन अलग-अलग तरह से। प्रेम-विवाह में औरत आदमी में पहले प्रेम होता है फिर वे शादी करते हैं। अरेंज मैरिज में पहले शादी होती है, फिर पति-पत्नी के बीच धीरे-धीरे प्रेम पनपता है।प्रेम और शादी दो अलग-अलग चीजें हैं लेकिन उनका एक होना भी जरूरी है। अगर पति पत्नी के बीच में प्रेम नहीं होगा तो उनका दांपत्य चल ही नहीं सकता। सवाल उठता है जब मर्द औरत प्रेम होने पर शादी करते हैं फिर भी उनका दांपत्य असफल क्यों हो जाता है? प्रेमी-प्रेमिका जो एक-दूसरे के लिए जीने मरने की कसमें खाते हैं क्यों पति-पत्नी बनने के बाद एक दूसरे के दुश्मन बन जाते हैं।पारंपरिक विवाह करने से पहले लडका-लडकी का सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक स्तर देखा जाता है। धर्म जाति, रहन सहन, रीति रिवाज आर्थिक स्तर, खान-पान, पहनावा सब बातों पर ध्यान दिया जाता है। सब बातें देखने के बाद शादी की जाती है लेकिन प्रेम-विवाह में ऐसा नहीं होता। प्रेम विवाह में प्रायः शारीरिक आकर्षण मुख्य होता है। मर्द-औरत एक दूसरे के प्रति आकर्षित होते हैं। उनमें प्रेम होता है और ज्यादातर मामलों में शादी से पहले शारीरिक संपर्क भी हो जाते हैं। मर्द औरत प्रेमी-प्रेमिका रहते हैं, तब तक उन पर कोई जिम्मेदारी नहीं होती लेकिन पति-पत्नी बनने पर ऐसा नहीं होता।दांपत्य का नाम है नून, तेल, लकडी। पति-पत्नी को अपनी गृहस्थी ही नहीं चलानी पडती, सामाजिक बंधन भी निभाने पडते हैं। अलग धर्म, अलग जाति, अलग प्रांत या देश के होने के कारण पति-पत्नी के रहन-सहन, पहनावे, खान-पान, रीति रिवाज, आचार-विचार सभी चीजों में अंतर होता है।प्रेमी-प्रेमिका जब पति पत्नी बन जाते हैं तो उनको साथ रहना पडता है। फिर बात-बात पर उनमें तुनक मिजाजी चालू हो जाती है जो धीरे-धीरे झगडे का रूप ले लेती है। आये दिन का झगडा पति-पत्नी के बीच दूरी बढाने लगता है और नौबत संबंध विच्छेद तक जा पहुंचती है।प्रेम-विवाह असफल होने के लिए दोषी सिर्फ एक ही नहीं हो सकता। पति-पत्नी दोनों ही होते हैं। अगर वे समझदारी से काम लें तो दांपत्य टूटने से बच सकता है। इसके लिए जरूरत है समझौते और झुकने की। पति पत्नी के बीच जो भी विरोधाभास हों, उनको आपसी समझ-बूझ से दूर किया जा सकता है। झगडने से बेहतर है पति-पत्नी दोनों एक-दूसरे के अनुरूप ढलने का प्रयास करें। ऐसा करने पर उनका दांपत्य टूटने से बच सकता है।

राष्ट्र की आत्मा हैं तीर्थ : भारतीय परंपरा में तीर्थों का महत्व

विनोद बब्बर

भारतीय परंपरा में तीर्थों का महत्व सदैव रहा है। तीर्थ का अर्थ है- पवित्रा करने वाला। उस नदी, सरोवर, मंदिर अथवा भूमि को तीर्थ कहा जाता है जहाँ भगवद् दिव्य शक्ति का वास माना जाता है। जिस भूमि में दिव्य पावन कारिणी शक्ति होती है, वहाँ जाने से मानव अपने अंतःकरण में पावनता की अनुभूति करता है। भगवान श्री राम के अवतार के कारण अयोध्या को परमधाम और सरयू को मुक्तिदायक तीर्थ कहा गया है। इसी प्रकार श्रीकृष्ण की लीला स्थली सम्पूर्ण ब्रज ही तीर्थ माना जाता है जिसकी परिक्रमा करने अथवा इसकी पावन रज मस्तक पर को मस्तक पर लगा भक्तजन धन्य हो जाते हैं।भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति में धर्म एवं धार्मिक क्रिया कलापों का प्राचीन काल से ही महत्वपूर्ण स्थान रहा है। भारतीयों ने प्रकृति के मनोरम एवं पवित्रा स्थलों यथा-विशाल एवं लम्बी नदियों, पर्वत एवं वन आदि के साथ अपने आराध्यदेव का तादात्म्य स्थापित करते हुए स्थायी स्मारकों एवं वस्तुओं का निर्माण किया जिससे उनका धर्म युग-युगान्तर तक अमर रहे और इस क्रम में तीर्थ परम्परा की जो नींव पडी, वह अनवरत रूप से अपने आध्यात्मिक एवं दर्शनीय महत्व के कारण चली आ रही है। गुरुदेव रवीन्द्र नाथ ठाकुर ने अपनी कृति 'साधना' में कहा है, 'भारत ने तीर्थयात्रा के स्थलों को वहीं चुना जहां प्रकृति में विशिष्टि आवश्यकताओं से ऊपर उठ सके और अनन्त में अपनी स्थिति का परिज्ञान कर सके।'प्रकृति के ये सभी स्थल आज भारतीयों के लिए प्रेरणा-स्रोत बने हुए हैं और इन्हीं स्थलों के दर्शन भारतीयों को सन्मार्ग एवं सदाचार के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं। अतीत में भारत के संत-महात्माओं ने इन्हीं स्थानों पर जीवन एवं जगत के गूढतम एवं जटिल रहस्यों को जाना तथा मानवता का संदेश दिया। कालान्तर में ये स्थल भारतीयों के लिए तीर्थस्थल बनते चले गए। तीर्थों एवं पुनीत स्थलों का उल्लेख अत्यंत प्राचीन काल से होता आया है।

प्राचीन भारत में तीर्थयात्रा का इसलिये भी महत्व था क्योंकि आज की भांति भारत राजनैतिक दृष्टि से एक न था अपितु यह विभिन्न राज्यों, सम्प्रदायों तथा उपसम्प्रदायों में विभाजित था, किंतु तीर्थ यात्राओं के माध्यम से देश के सांस्कृतिक एवं मौलिक एकीकरण को आधार मिला। बदरीनाथ, केदारनाथ, प्रयाग एवं रामेश्वरम् आदि तीर्थ स्थल उत्तर एवं दक्षिण में समान रूप से पवित्रा माने जाते हैं। तीर्थयात्रा को महाभारत एवं पुराणों में यज्ञों से भी श्रेष्ठ बताया गया है क्योंकि यज्ञादि में अनेकानेक उपकरणों एवं पात्रों की उपस्थिति आवश्यक होती है, अतः उनका सम्पादन राजाओं, महाराजाओं एवं धनिकों द्वारा ही सम्भव है जबकि तीर्थयात्रा सर्वसुलभ होती है। तीर्थयात्रा का वास्तविक प्रयोजन तन-मन को पवित्र कर आत्मा का उद्धार करना है। तीर्थ ही राष्ट्र की आत्मा हैं। तीर्थ भक्त और भगवान को जोडें या न जोडें परंतु अपनी सांस्कृतिक विरासत से अवश्य जोडते हैं। भारत में विभिन्न मत-मतान्तरों के अनेक तीर्थ हैं। लोग अपनी-अपनी आस्था के अनुसार आत्म-शुद्धि के लिए तीर्थयात्रा करते रहे हैं। पवित्रा तीर्थों की यात्रा करने

की परम्परा अनादि काल से है। प्राचीनकाल में जब यातायात के साधन आज की भांति विकसित नहीं थे, तब भी लोग कर्तव्य भावना से एवं शुद्ध-बुद्ध से आराधना और पुण्य संचय का साधन मानकर हजारों मील की दुर्गम यात्राएं हर कष्ट को सहते हुए पैदल ही किया करते थे। दुर्गम, पहाडों पर, घने जंगलों में, नदियों के तट पर, सागर तट पर, संगम में, मरूस्थलों में, जहाँ-जहाँ भी संतों-ऋषियों ने तपस्या की, वहाँ जीवन में कम से कम एक बार पहुँचने की इच्छा हर आस्थावान भारतीय रखता है। बारह वर्ष बाद लगने वाले कुम्भ आमजन तथा बुद्धिजीवियों के मिलन के मेले हैं, जहाँ आपसी संवाद और रीति-रिवाजों का परिचय होता है।भारतवर्ष में ९८ प्रतिशत व्यक्ति जब अपने घर से बाहर कहीं निकलते हैं तो मुख्यतः तीर्थयात्रा करने के लिए ही निकलते हैं। छुटियों में भी लोग वैष्णो देवी, हरिद्वार,तिरूपति आदि स्थानो की यात्राए करते हैं। भीषण झंझावातों को झेल, हजारों वर्षों के विदेशी आक्रमणों के पश्चात भी भारत राष्ट्र, यहाँ का धर्म एवं संस्कृति जीवित रही, इसके पीछे कुछ न कुछ तो विशेष बात रही ही है।

जो व्यक्ति अहंकार एवं कुप्रवृत्तियों से रहित है, वही तीर्थफल प्राप्त करता है। जो अकल्यक है (प्रवंचना कपट से दूर), निरारम्भ है (धन कमाने के लिए भांति-भांति के उद्योगों से निवृत्त) जितेन्द्रिय है (इन्द्रियों के संयम द्वारा पाप कर्मों से दूर) है और जो अक्रोधी है, सत्यशील है, दृढवृत्ती है, अपने समान ही अन्यों को जानने-माने वाला हो, इसका तात्पर्य यह है कि जिन्हें ये विशेषताएं प्राप्त नहीं हैं, वे तीर्थयात्रा द्वारा पापों का विनाश कर सकते हैं किन्तु जो इन गुणों से युक्त हैं वे और भी अधिक पुण्य फल प्राप्त करते है। वायुपुराण में कहा गया है कि पाप कर्म कर लेने पर यदि धीर (दृढ-संकल्प या बुद्धिमान), श्रद्धावान एवं जितेन्द्रिय व्यक्ति तीर्थयात्रा करने से शुद्ध हो जाता है तो उसके विषय में क्या कहना, जिसके कर्म शुद्ध है परंतु जो अश्रद्धावान है, पापी है, नास्तिक है, संशयात्मा है और जो हेतुद्रष्टा (व्यर्थ के तर्कों में लगा हुआ) है- वह तीर्थफल का भागी नहीं हो सकता।वास्तव में तीर्थों का अन्तरंग स्वरूप कल्पवृक्ष अथवा चिन्तामणि जैसे गुणों वाला होता है। अन्तर मात्रा इतना है कि कल्पवृक्ष अथवा चिंतामणि, जहाँ नैतिक सुख-सुविधाओं से सम्बंधित आशा एवं अभिलाषा की प्रर्ति करते हैं, वहीं तीर्थस्थल साधक की समस्त कामनाओं की पूर्ति करते हैं। तीर्थ मुक्ति भी देते हैं, युक्ति भी देते हैं और साथ ही भक्ति का अवलम्बन भी प्रदान करते हैं। वामन पुराण के अनुसार, 'सभी आश्रमों यथा-ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ एवं संन्यास के लोग तीर्थ में स्नान कर कुल की रक्षा करते है।'काल प्रवाह के क्रूर चंगुल में फंसकर तथा इसके चलते होने वाले सांस्कृतिक प्रदूषण से भारत के तीर्थ स्थलों की जहाँ एक ओर पवित्राता नष्ट होती रही है वहीं इनकी दिव्यता एवं भव्यता में भी गिरावट आयी है। इसके अतिरिक्त आधुनिकता और झूठी शान के नाम पर तीर्थों का पर्यटन केन्द्र के रूप में इस्तेमाल होने लगा है। इससे इन तीर्थ स्थलों में जाकर लोगों के मन-मस्तिष्क में जहाँ पहले शांति एवं अध्यात्म की तरंगें हिलोरे लेने लगती थी, वहीं अब इनकी दुर्दशा देखकर उनका मन क्लेश से भर उठता है।भारतीय संस्कृति के विकास के लिए तीर्थस्थलों का विकास जरूरी है। तीर्थ के रखरखाव के अभाव में तीर्थ लुप्त होते जा रहे हैं। सरकारें अपना लोक-कल्याणकारी कार्य सम्पादित करने में घोर उपेक्षा बरत रही हैं तो वहाँ सक्रिय पंडे, पुजारी भी कम दोषी नहीं हैं। वे तीर्थ को अपनी दुकान और श्रद्धालु को अपना ग्राहक समझने लगे हैं। अफसोस कि वे पंडे समझ नहीं पा रहे हैं कि मर्यादा का रक्षण और पर्यावरण संरक्षण न किया गया तो लगातार सिकुडती श्रद्धा एक दिन लुप्त हो सकती है।स्पष्ट है कि भारतीय संस्कृति की रक्षा करने एवं भारत के लुप्त होते तीर्थों को पुनः स्थापित के महत्वपूर्ण कार्य के लिए सरकार पर आश्रित नहीं रहा जा सकता। हम सभी को जागना पडेगा। तीर्थों को प्लास्टिक के दुष्प्रभाव से बचाना भी जरूरी है। सरकार को उन्नत प्रौद्योगिकी का उपयोग इन तीर्थों विशेष रूप से पर्वतीय स्थानों के पर्यावरण को बचाने के लिए करना चाहिए। बढती आबादी पर रोक, कंक्रीट के जंगल खडे होने से पहले उन्हें रोकना, प्रदूषण रहित यातायात के साधनों के इस्तेमाल पर सर्वाधिक ध्यान दिया जाना चाहिए। (उर्वशी)

प्रथम पृष्ठ का शेषांश.....

असम में बाढ़ से रेल यातायात प्रभावित, सिमालुगुरी...

(शॉर्ट टर्मिनेट) अथवा दूसरे स्टेशन से प्रारंभ (शॉर्ट ओरिजिनेट) किया जा रहा है।
रेलवे ने जिन प्रमुख ट्रेनों का मार्ग परिवर्तित किया है, उनमें १२४२३ डिब्रूगढ़-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस, २०५०३ डिब्रूगढ़-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस, २२५०४ डिब्रूगढ़-कन्याकुमारी विवेक एक्सप्रेस, १५९०३ डिब्रूगढ़-चंडीगढ़ एक्सप्रेस, १५९०९ डिब्रूगढ़-लालगढ़ अवध असम एक्सप्रेस, १५९४५ लोकमान्य तिलक टर्मिनस-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस तथा २२५०३ कन्याकुमारी-डिब्रूगढ़ विवेक एक्सप्रेस शामिल हैं। इन ट्रेनों को वैकल्पिक मार्ग से चलाया जा रहा है, जिससे यात्रियों को गंतव्य तक सुरक्षित पहुंचाया जा सके।रेलवे ने कई ट्रेनों को उनके निर्धारित गंतव्य तक जाने से पहले ही रोक दिया है। इनमें १३२८१ डिब्रूगढ़-राजेंद्र नगर एक्सप्रेस, १५६७० डिब्रूगढ़-गुवाहाटी नगालैंड एक्सप्रेस, १५९५९ हावडा-डिब्रूगढ़ कामरूप एक्सप्रेस, १५९३४ अमृतसर-न्यू तिनसुकिया एक्सप्रेस, १३२८२ राजेंद्र नगर-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस, २०५०४ नई दिल्ली-डिब्रूगढ़ राजधानी एक्सप्रेस, १५६६९ गुवाहाटी-डिब्रूगढ़ नगालैंड एक्सप्रेस, १२४२४ नई दिल्ली-डिब्रूगढ़ राजधानी एक्सप्रेस तथा १५९१० लालगढ़-डिब्रूगढ़ अवध असम एक्सप्रेस प्रमुख हैं। इन ट्रेनों के प्रभावित रेलखंडों में परिचालन अस्थायी रूप से रद्द कर दिया गया है।बाढ़ की स्थिति को देखते हुए रेलवे ने कई पैसेंजर, डीईएमयू और इंटरसिटी ट्रेनों का परिचालन भी रद्द कर दिया है। इनमें तिनसुकिया-जोरहाट टाउन पैसेंजर, तिनसुकिया-लुमडिंग डीईएमयू, लिडो-गुवाहाटी इंटरसिटी एक्सप्रेस, लिडो-रंगिया इंटरसिटी एक्सप्रेस, डिब्रूगढ़-सिमालुगुरी पैसेंजर, जोरहाट टाउन-तिनसुकिया पैसेंजर, लुमडिंग-तिनसुकिया डीईएमयू, रंगिया-न्यू तिनसुकिया इंटरसिटी एक्सप्रेस, सिमालुगुरी-डिब्रूगढ़ पैसेंजर तथा गुवाहाटी-लिडो इंटरसिटी एक्सप्रेस शामिल हैं।
पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे ने कहा है कि प्रभावित यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए व्यापक प्रबंध किए गए हैं। प्रमुख स्टेशनों पर हेल्प डेस्क स्थापित किए गए हैं, जहां यात्रियों को यात्रा संबंधी जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। प्रभावित यात्रियों को निःशुल्क भोजन के पैकेट, पीने का पानी तथा टिकट रिफंड की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है।रेलवे ने नामटियाली से शिवसागर टाउन स्टेशन तक यात्रियों को पहुंचाने के लिए असम राज्य परिवहन निगम (एएसटीसी) की बसों और स्थानीय वाहनों की व्यवस्था की है। इसके अलावा शिवसागर टाउन से डिब्रूगढ़ और न्यू तिनसुकिया के लिए विशेष ट्रेन चलाने की योजना भी बनाई गई है, ताकि यात्रियों को आगे की यात्रा में सुविधा मिल सके। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि २२५०३ कन्याकुमारी-डिब्रूगढ़ विवेक एक्सप्रेस से सेलेनघाट में उतरे २१७ यात्रियों को सडक़ मार्ग से मरियानी पहुंचाया जा रहा है। वहीं १५९५९ कामरूप एक्सप्रेस के ५७० यात्रियों तथा १५९३४ अमृतसर-न्यू तिनसुकिया एक्सप्रेस के ४९० यात्रियों की सहायता के लिए भी विशेष प्रबंध किए गए हैं। रेलवे प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है और जलस्तर सामान्य होने के बाद चरणबद्ध तरीके से रेल सेवाएं बहाल करने का प्रयास किया जाएगा।

असम में बाढ़: एक की मौत, ५७ हजार से अधिक...

दोगुनी से भी ज़्यादा हो गई है।चराईदेव सबसे ज़्यादा प्रभावित जिला है, जहां लगभग २४ हजार लोग प्रभावित हुए हैं। इसके बाद धेमाजी में २२ हजार से अधिक और डिब्रूगढ़ में ४ हजार से अधिक लोग बाढ़ के पानी से प्रभावित हुए हैं।मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि राज्य सरकार ने सेना और वायु सेना से तैयार रहने को कहा है क्योंकि शिवसागर, चराईदेव और जोरहाट में बाढ़ की स्थिति लगातार बिगड़ रही है। मुख्यमंत्री डॉ. सरमा ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'चूंकि शिवसागर, चराईदेव और जोरहाट में बाढ़ की स्थिति लगातार बिगड़ रही है, इसलिए असम सरकार ने भारतीय सेना और भारतीय वायु सेना से अनुरोध किया है कि वे जरूरत पड़ने पर लोगों को सुरक्षित निकालने और बचाव कार्यों में मदद के लिए तैयार रहें।'मुख्यमंत्री ने चार कैबिनेट मंत्रियों- अजंता नेओग, बिमल बोरा, केशव महंत और सुशांत बूढ़ागोहाई को भी निर्देश दिया कि वे तुरंत प्रभावित जिलों का दौरा करें, बचाव और राहत कार्यों की निगरानी करें और यह सुनिश्चित करें कि हर प्रभावित परिवार को समय पर मदद मिले।डॉ. सरमा ने कहा, 'हमारे लोगों की सुरक्षा और भलाई हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। मैं चौबीसों घंटे स्थिति पर नजर रख रहा हूं, और हम लोगों की जान बचाने और हर संभव राहत पहुंचाने के लिए हर जरूरी कदम उठाएंगे।' एएसडीएमए ने बताया है कि प्रशासन चार जिलों में १४ राहत कैंप और राहत वितरण केंद्र चला रहा है, जहां अभी ४४० विस्थापित लोग शरण लिए हुए हैं।स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (एसडीआरएफ) के जवानों ने रविवार को दिन भर में चराईदेव के अलग-अलग इलाकों से १० लोगों को बचाया। पिछले २४ घंटों में बांटी गई राहत सामग्री में ५८.१७ क्विंटल चावल, १०.८९ क्विंटल दाल, ३.२६ क्विंटल नमक और ३२६.८८ लीटर सरसों का तेल शामिल था।बाढ़ से राज्य भर के २९८ गांव जलमग्न हो गए हैं और ३,८७४.८४ हेक्टेयर कृषि भूमि को नुकसान पहुंचा है। बाढ़ के पानी ने कई जिलों में तटबंधों, सडक़ों, पुलों और अन्य बुनियादी ढांचों को भी नुकसान पहुंचाया है।एएसडीएमए ने बताया कि डिब्रूगढ़ जिले के खोवांग इलाके में चेनिमारी के पास बुर्हिदिहिंग नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है, जबकि बाढ़ से ३७,५०० से ज़्यादा पालतू जानवर और पोल्ट्री भी प्रभावित हुए हैं।

बराक नदी का जलस्तर बढ़ने पर कछार प्रशासन....

जलभराव वाले क्षेत्रों में अनावश्यक आवाजाही से बचें। लोगों को नदियों, नालों, पुलियों, जलनिकासी मार्गों तथा जलमग्न स्थानों के समीप जाने से भी परहेज करने की सलाह दी गई है, क्योंकि वहां जलधारा तेज और अनिश्चित हो सकती है।सुरक्षा के दृष्टिकोण से प्रशासन ने लोगों से कहा है कि यदि उनके घर में बाढ़ का पानी प्रवेश कर जाए तो तुरंत बिजली का मुख्य स्विच बंद कर दें तथा विद्युत उपकरणों, महत्वपूर्ण दस्तावेजों और अन्य मूल्यवान वस्तुओं को सुरक्षित ऊंचे स्थान पर रख दें, ताकि नुकसान को कम किया जा सके।बाढ़ संभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को संभावित निकासी (इवैक्यूएशन) के लिए पहले से तैयार रहने तथा आवश्यकता पड़ने पर स्थानीय प्रशासन और आपदा राहत दलों का पूरा सहयोग करने की सलाह दी गई है।परामर्श में यह भी कहा गया है कि जलमग्न सडक़ों या डूबे हुए मार्गों पर पैदल चलने, दोपहिया या चारपहिया वाहन चलाने का प्रयास न करें, क्योंकि पानी के नीचे छिपे गड्ढे, तेज बहाव या अन्य खतरे जान-माल के लिए गंभीर जोखिम पैदा कर सकते हैं।
प्रशासन ने प्रत्येक परिवार से आग्रह किया है कि वे आपातकालीन किट तैयार रखें, जिसमें सूखा खाद्य पदार्थ, सुरक्षित पेयजल, आवश्यक दवाइयां, टॉर्च, अतिरिक्त बैटरियां तथा महत्वपूर्ण दस्तावेज सुरक्षित रूप से उपलब्ध हों, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत उपयोग किया जा सके।जिला प्रशासन ने लोगों से केवल जिला प्रशासन, डीडीएमए, कछार तथा अन्य सरकारी एजेंसियों द्वारा जारी आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करने की अपील की है। साथ ही नागरिकों को अपने मोबाइल फोन पूरी तरह चार्ज रखने तथा स्थानीय प्रशासन और आपातकालीन सेवाओं के संपर्क में रहने की सलाह दी गई है, ताकि समय पर सूचना और सहायता प्राप्त हो सके।किसी भी आपात स्थिति में नागरिकों से जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र (डीईओसी), संबंधित राजस्व चक्र कार्यालय, विकास खंड कार्यालय, सिलचर नगर निगम नियंत्रण कक्ष अथवा निकटतम पुलिस थाना से तुरंत संपर्क करने का अनुरोध किया गया है।प्रशासन ने लोगों से शांत रहने, अफवाहों या अपुष्ट सूचनाओं को फैलाने से बचने तथा मौसम संबंधी सभी अद्यतन जानकारी केवल आधिकारिक स्रोतों से प्राप्त करने की अपील की है।
आपातकालीन सहायता के लिए संपर्क करें:जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र (डीईओसी), डीडीएमए, कछार
दूरभाष: ०३८४२-२३९२४९ / ०३८४२-२३४००५
मोबाइल: ९४०१६-२४१४१, ई-मेल: ddma-cachar@assam.gov.in
जिला प्रशासन ने पुनः आश्वस्त किया है कि वह चौबीसों घंटे स्थिति पर नजर बनाए हुए है तथा आवश्यकता पड़ने पर समय-समय पर नई परामर्शिकाएं जारी करेगा। साथ ही कछार जिले के लोगों के जीवन और संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाते रहेंगे।यह जानकारी सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, बराक घाटी क्षेत्रीय कार्यालय, सिलचर (असम) द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है।

मेडिकल रोड के मेहरपुर में सडक़ के गड्ढे में गिरकर...

बाद स्थानीय समाजसेवी अमीर लाल ग्वाला ने अपनी पहल पर एक बच्चे के साथ मिलकर सडक़ पर बने दो बड़े ग्ों को भरने का काम शुरू किया। समाजसेवी की इस पहल की स्थानीय लोगों ने सराहना की।स्थानीय निवासियों का आरोप है कि महत्वपूर्ण मेडिकल रोड पर लंबे समय से बने इन ग्ों के कारण आए दिन छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं हो रही हैं। कई बार संबंधित विभाग का ध्यान इस समस्या की ओर आकृष्ट किए जाने के बावजूद सडक़ की स्थायी मरम्मत के लिए अब तक प्रभावी कदम नहीं उठाया गया है।स्थानीय लोगों ने प्रशासन और लोक निर्माण विभाग से मांग की है कि भविष्य में किसी बड़ी दुर्घटना से पहले सडक़ की तत्काल और स्थायी मरम्मत कराई जाए।

बिजली कटौती, स्मार्ट मीटर, बिजली की मांग को लेकर....

यूनिट मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने, प्रीपेड स्मार्ट मीटर को अनिवार्य रूप से लागू नहीं करने तथा बिजली क्षेत्र के निजीकरण पर रोक लगाने की मांग की गई। संगठन ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार द्वारा स्मार्ट मीटर को वैकल्पिक बताए जाने के बावजूद असम में इसे अनिवार्य रूप से लागू किया जा रहा है।संगठन ने यह भी कहा कि देश के कई राज्यों में बिजली दरें असम से कम हैं और वहां घरेलू उपभोक्ताओं को १५० से ३०० यूनिट तक मुफ्त बिजली दी जा रही है। उन्होंने राज्य सरकार से उपभोक्ताओं के हित में शीघ्र उचित कदम उठाने की मांग की।ज्ञापन सौंपने के दौरान प्रोफेसर अजय राय, सीमांत भट्टाचार्य, नकुल रंजन पाल, बंदिता त्रिवेदी, रंजीत चौधरी, प्रशांत भट्टाचार्य तथा श्रमिक नेता मृणाल कांति सोम सहित अनेक नागरिक और संगठन के सदस्य उपस्थित थे।

टिओक में NH-37 डूबा, बाढ़ से अपर ...

से बचने की सलाह दी है। अधिकारी लगातार स्थिति पर नजर रख रहे हैं और जल्द से जल्द सामान्य यातायात बहाल करने के लिए प्रयास कर रहे हैं।इस बीच, लंबे समय तक चले जाम ने कमर्शियल ट्रांसपोर्ट पर भी असर डाला है, जिससे सैकड़ों सामान लदे ट्रक हाईवे पर फंसे हुए हैं। ट्रांसपोर्ट ऑपरेटरों को डर है कि अगर स्थिति ऐसी ही बनी रही, तो लगातार रुकावट से पूरे अपर असम में जरूरी सामान की सप्लाई चेन प्रभावित हो सकती है।इलाके में और बारिश के अनुमान के साथ, अधिकारी सतर्क हैं क्योंकि बाढ़ का पानी मुख्य ट्रांसपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए खतरा बना हुआ है। बिना रुकावट सडक़ संपर्क की बहाली काफी हद तक मौसम में सुधार और बाढ़ के पानी के धीरे-धीरे कम होने पर निर्भर करेगी।

बाढ़ से प्रभावित किसानों की मदद के लिए शिवसागर में फ्लड कंट्रोल रूम खोला गया

शिवसागर:(अर्णव शर्मा) २० जुलाई : बाढ़ से प्रभावित किसानों की मदद के लिए एक बड़ा कदम उठाते हुए, शिवसागर डिस्ट्रिक्ट एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट ने फसल के नुकसान की रिपोर्टिंग को आसान बनाने और समय पर राहत और मुआवजा पक्का करने के लिए २४द्ब७ फ्लड कंट्रोल रूम बनाया है।इस पहल की घोषणा असम के एग्रीकल्चर और इरिगेशन मिनिस्टर पीयूष हजारिका ने की, जिन्होंने कहा कि यह खास कंट्रोल रूम किसानों को चल रही बाढ़ से हुए नुकसान की तुरंत रिपोर्ट करने में मदद करेगा, जिससे अधिकारी तेजी से आकलन कर सकेंगे और मदद में तेजी ला सकेंगे।शिवसागर के सब-डिविजनल एग्रीकल्चर ऑफिसर की देखरेख में चलने वाले इस कंट्रोल रूम में तीन असिस्टेंट एग्रीकल्चर इंस्पेक्टर काम करते हैं जो प्रभावित किसानों के साथ कोऑर्डिनेट करेंगे और जरूरी मदद देंगे। एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट ने पूरे जिले में फील्ड-लेवल एक्सटेंशन वर्कर्स को भी फसल के नुकसान का तुरंत आकलन करने और राहत प्रोसेस के लिए रिपोर्ट जमा करने का निर्देश दिया है।मिनिस्टर हजारिका ने कहा कि डिपार्टमेंट बाढ़ की बदलती स्थिति पर करीब से नजर रख रहा है और यह पक्का करने के लिए कमिटेड है कि किसानों को बिना देर किए मदद मिले। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब ऊपरी असम के कई जिलों में भारी बाढ़ का असर जारी है, जिससे खड़ी फसलों को नुकसान हो रहा है और रोजी-रोटी में रुकावट आ रही है।२४ घंटे चलने वाले कंट्रोल रूम के शुरू होने से उम्मीद है कि प्रशासन और किसान समुदायों के बीच तालमेल मजबूत होगा, जिससे मौजूदा बाढ़ संकट के दौरान तेजी से जवाब देने, नुकसान का सही अंदाजा लगाने और सरकारी राहत उपायों को तेजी से पहुंचाने में मदद मिलेगी।

असम संवादिक पेंशन संस्था की बैठक सम्पन्न केंद्रीय अध्यक्ष केशव कलिता ने संविधान का किया विमोचन'

लखीमपुर,२० जुलाई = असम संवादिक पेंशनर संस्था की मंडल समिति गठित। १९ जुलाई को जोरहाट प्रेस क्लब में असम संवादिक पेंशनर संस्था की बैठक सम्पन्न हुई।सभा में सर्व सम्मति से असम संवादिक पेंशनर संस्था की पूर्व मंडल समिति का गठन किया गया।डिब्रूगढ़ के ज्येष्ठ पत्रकार इकबाल अहमद की अध्यक्षता में आयोजित सभा में आह्वायक निरंजन महंत ने सभा के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।सभा में उपास्थित केंद्रीय समिति के सभापति केशव कलिता,सचिव मानस कुमार महंत,सलाहकार विमान हजारिका और कोषाध्यक्ष उदय बरगोहाई ने परामर्श दिया।काबी आंगलोंग,जोरहाट,शिवसागर,डिब्रूगढ़ और तिनसुकिया जिले के पेंशनर पत्रकारों की उपस्थिति में इकबाल अहमद को मुख्य आह्वायक और निरंजन महंत,धीरेन्द्र नाथ डेका, बच्चा बरा,शांतनु गोस्वामी, रातुल बराऔर थानेश्वर नेयुग को आह्वायक के रूप में लेकर असम पत्रकार पेंशनर संस्था की पूर्व मंडल समिति का गठन किया गया।संस्था के केंद्रीय अध्यक्ष केशव कलिता ने संस्था के संविधान का किया विमोचन।

ऊपरी असम बाढ़ से जूझ रहा है; आमी ने 'ऑपरेशन जल राहत' शुरू किया, एयर फोर्स स्टैंडबाय पर

जोरहाट (अर्णव शर्मा) २० जुलाई : : सोमवार को ऊपरी असम में बाढ़ की स्थिति काफी खराब हो गई क्योंकि लगातार बारिश ने जोरहाट, शिवसागर और चराईदेउ जिलों के बड़े इलाकों को पानी में डुबो दिया। इसके बाद असम सरकार ने बड़े पैमाने पर बचाव और निकासी ऑपरेशन के लिए इंडियन आमी और इंडियन एयर फोर्स को स्टैंडबाय पर रखा है।मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने घोषणा की कि राज्य सरकार ने स्थिति और बिगड़ने पर तेजी से कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए आर्म्ड फोर्स की मदद मांगी है। उन्होंने सीनियर मंत्रियों अजंता नियोग, बिमल बोरा, केशव महंत और सुशांत बोरगोहेन को भी प्रभावित जिलों में बचाव ऑपरेशन की देखरेख करने, राहत उपायों पर नजर रखने और बाढ़ प्रभावित परिवारों तक समय पर मदद पहुंचाने के लिए भेजा है।जैसे-जैसे बाढ़ का पानी बढ़ता गया, इंडियन आमी ने असम सरकार, जिला एडमिनिस्ट्रेशन, नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (छऊठऋ), स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (डऊठऋ) और दूसरी इमरजेंसी एजेंसियों के साथ मिलकर 'ऑपरेशन जल राहत' शुरू किया।इस ऑपरेशन के तहत, सेना की बचाव टुकड़ियों को खास नावों, इंजीनियरिंग इक्विपमेंट, मेडिकल टीमों और इमरजेंसी राहत सप्लाई के साथ सबसे ज़्यादा प्रभावित इलाकों में तैनात किया गया है ताकि फंसे हुए लोगों को निकाला जा सके, कमजोर परिवारों की मदद की जा सके और अलग-थलग जगहों तक पहुँच बहाल की जा सके।जोरहाट में, लगातार बारिश से शहर में भयंकर बाढ़ आ गई, जिससे मुख्य सडक़ें, रिहायशी इलाके और कमर्शियल जगहें डूब गईं। तरुण फुकन रोड, ताराजन, चोलधारा, ए.टी. रोड, सोनाली जयंती नगर, बोंगलपुखुरी और राजामैदम न्यू कॉलोनी समेत कई इलाके पानी में डूबे रहे, जिससे आम जिंदगी और गाड़ियों की आवाजाही बुरी तरह रुक गई। पानी भरने से कई सरकारी दफ्तर और पब्लिक इंस्टीट्यूशन भी प्रभावित हुए, जिससे हाल ही में गाद निकालने की कोशिशों के बावजूद शहर के ड्रेनेज इंफ्रास्ट्रक्चर को लेकर एक बार फिर चिंता बढ़ गई है।शिवसागर में बाढ़ की स्थिति उतनी ही गंभीर बनी हुई है क्योंकि उफनती नदियों और टूटे हुए तटबंधों की वजह से गाँव, खेती की जमीन और सडक़ नेटवर्क डूब गए हैं। जिला अधिकारियों ने जरूरतमंद लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुँचाना जारी रखा है और खाना, पीने का पानी और दूसरी जरूरी राहत सामग्री बाँटी है। कई निचले इलाकों में पानी का लेवल बढ़ता जा रहा है, इसलिए बचाव दल हाई अलर्ट पर हैं।इस संकट ने ऊपरी असम में ट्रांसपोर्टेशन में भी रुकावट डाली है। शिवसागर जिले में सिमालुगुरी के पास दिखो नदी में रेलवे ट्रैक डूब जाने के बाद रेलवे सर्विस पर बुरा असर पड़ा है, जबकि बाढ़ का पानी बढ़ने की वजह से कई सडक़ें बंद हो गई हैं, जिससे लोगों और राहत सप्लाई में रुकावट आ रही है। ऑफिशियल अनुमानों के मुताबिक, कई जिलों में हजारों लोग प्रभावित हुए हैं क्योंकि बाढ़ का पानी घरों, खेतों और पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर में डूबा हुआ है। आमी, छऊठऋ, डऊठऋ और जिला प्रशासन का मिला-जुला बचाव ऑपरेशन चौबीसों घंटे जारी है, जिसमें फंसे हुए परिवारों को निकालने और खाना, दवाइयाँ और दूसरी जरूरी चीजों की सप्लाई को प्राथमिकता दी जा रही है।इस बीच, इंडिया मेटियोरोलॉजिकल डिपार्टमेंट (खचऊ) ने अगले २४ से ४८ घंटों में ऊपरी असम में और बारिश का अनुमान लगाया है, जिससे बाढ़ की स्थिति और खराब होने की चिंता बढ़ गई है। असम स्टेट डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी (ASDMA) ने निचले इलाकों और नदी किनारे के इलाकों में रहने वाले लोगों से सावधान रहने, गैर-जरूरी यात्रा से बचने और बचाव और निकासी ऑपरेशन के दौरान सरकारी सलाह का सख्ती से पालन करने की अपील की है।भारी बारिश जारी रहने की उम्मीद के साथ, सरकार और डिजास्टर रिस्पॉन्स एजेंसियों का ध्यान जान बचाने, राहत की कोशिशों को मजबूत करने और बाढ़ से तबाह ऊपरी असम में हर प्रभावित समुदाय तक समय पर मदद पहुंचाने पर बना हुआ है।

जनगणना की तैयारी के तहत जिले के पांच राजस्व चक्रों में चार चरणों वाला प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

प्रे.सं. शिलचर, २० जुलाई: भारत की जनगणना २०२७ की तैयारियों को कछार जिले में सोमवार से नई गति मिली। जिले के पांचों राजस्व चक्रों सिलचर, लखीपुर, उधारबंद, काटीगोरा और सोनाईमें प्रगणकों (Enumerators) एवं पर्यवेक्षकों (ड़ीर्शििेंर्ळीी) के प्रथम चरण के प्रशिक्षण की शुरुआत की गई। कछार जिला जनगणना प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम देश की सबसे बड़ी सांख्यिकीय प्रक्रियाओं में से एक जनगणना के लिए जिले की मैदानी तैयारियों की औपचारिक शुरुआत है। सिलचर राजस्व चक्र के उद्घाटन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कछार कॉलेज में किया गया, जहां प्रशिक्षण के लिए सात प्रशिक्षण कक्ष बनाए गए हैं। सिलचर राजस्व चक्र के कुल १,१७१ प्रगणकों तथा १८७ पर्यवेक्षकों को इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षित किया जाएगा।
जिले के सभी मैदानी कर्मचारियों को व्यवस्थित रूप से प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम चार चरणों में आयोजित किया गया है। पहला चरण २० से २२ जुलाई, दूसरा चरण २४ से २७ जुलाई, तीसरा चरण २९ से ३१ जुलाई तथा चौथा एवं अंतिम चरण ३ से ५ अगस्त तक चलेगा। प्रतिदिन सुबह ९:३० बजे से शाम ५:३० बजे तक प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। इसमें कक्षागत शिक्षण के साथ-साथ जनगणना प्रपत्रों, डिजिटल गणना प्रक्रिया, गृह सूचीकरण, आंकड़ों के सत्यापन, प्रतिवेदन प्रारूप तथा मैदानी कार्यप्रणाली का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।
प्रशिक्षण कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन कछार के जिला जनगणना अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला आयुक्त रोक्तिम बरुआ, एसीएस ने जनगणना संगठन से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किया।
अपने मुख्य संबोधन में जिला जनगणना अधिकारी रोक्तिम बरुआ ने कहा कि जनगणना २०२७ ऐतिहासिक होगी, क्योंकि देश में पहली बार इसे पूरी तरह डिजिटल माध्यम से संचालित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनगणना के आंकड़ों की गुणवत्ता एवं विश्वसनीयता पूरी तरह मैदानी स्तर पर सही जानकारी एकत्र करने पर निर्भर करती है। उन्होंने सभी प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों से डिजिटल अनुप्रयोगों और कार्यप्रणाली संबंधी दिशानिर्देशों का गहन अध्ययन करने का आग्रह किया तथा आम नागरिकों से भी जनगणना अधिकारियों को पूरा सहयोग देने की अपील की।
इससे पूर्व स्वागत भाषण देते हुए सिलचर जनगणना प्रभार क्षेत्र के जनगणना चार्ज अधिकारी अर्नव कुमार बरुआ, एएलआरएस ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि जनगणना की सफलता मैदानी कर्मचारियों की तैयारी और समर्पण पर निर्भर करती है। उन्होंने प्रशिक्षुओं से प्रशिक्षण सत्रों में सक्रिय भागीदारी करने, डिजिटल जनगणना प्रक्रिया को भली-भांति समझने तथा मैदानी कार्य के दौरान अपनी जिम्मेदारियों का पूरी निष्ठा और सटीकता के साथ निर्वहन करने का आह्वान किया।
उल्लेखनीय है कि तकनीकी प्रशिक्षण सत्र प्रशिक्षित फील्ड ट्रेनरों द्वारा संचालित किए जा रहे हैं। इन फील्ड ट्रेनरों को जून माह में आयोजित दो बैचों के मास्टर ट्रेनर कार्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया था। कछार के कुल ५७ फील्ड ट्रेनरों ने डॉ. गोंगेश भट्टाचार्य एवं सुरजीत आचार्य से प्रशिक्षण प्राप्त किया है, जिससे वे जिलेभर के मैदानी कर्मचारियों को एक समान प्रशिक्षण प्रदान कर सकें।विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि इस बार पहली बार जनगणना में नागरिकों को ऑनलाइन सेल्फ-एन्यूमरेशन (स्वयं जानकारी दर्ज करने) की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। निर्धारित जनगणना पोर्टल के माध्यम से नागरिक २ अगस्त से १६ अगस्त २०२६ तक अपने परिवार की जानकारी स्वयं दर्ज कर सकेंगे। इसके बाद १७ अगस्त से प्रगणक घर-घर जाकर हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन के तहत जानकारी का सत्यापन एवं आवश्यक विवरण संग्रहित करेंगे।जनगणना कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने कुल ४,५३५ प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों की तैनाती की है। जनगणना दो चरणों में आयोजित होगी। पहला चरण हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन १५ सितंबर २०२६ तक चलेगा, जबकि दूसरा चरण जनसंख्या गणना (Population Enumeration) फरवरी २०२७ में आयोजित किया जाएगा।अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की कि जहां संभव हो, वे सेल्फ-एन्यूमरेशन सुविधा का उपयोग करें तथा घर-घर आने वाले प्रगणकों को पूरा सहयोग दें, ताकि जनगणना का कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर सुचारु, सटीक एवं सफलतापूर्वक पूरा किया जा सके।उद्घाटन कार्यक्रम में जिला नोडल अधिकारी नयनमणि दत्ता, चार्ज अधिकारी (सिलचर सदर) अर्नव कुमार बरुआ, एएलआरएस, अतिरिक्त जनगणना चार्ज अधिकारी कौस्तव दास, कछार कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अप्रतिम नाग, मास्टर ट्रेनर डॉ. गोंगेश भट्टाचार्य, संसाधन व्यक्ति एस. बी. दत्ता चौधरी, संजीत मंडल तथा जनगणना संचालन निदेशालय, गुवाहाटी के प्रतिनिधि सहित अनेक अधिकारी उपस्थित थे।

रातभर हुई मूसलाधार बारिश से गुवाहाटी के कई इलाकों में भारी जल जमाव

गुवाहाटी, २० जुलाई (हि.स.)। रातभर हुई मूसलाधार बारिश के बाद सोमवार सुबह गुवाहाटी के कई इलाकों में जलभराव की गंभीर स्थिति उत्पन्न हो गई। शहर के विभिन्न हिस्सों में कृत्रिम बाढ़ जैसे हालात बन गए, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ। जलभराव के कारण लोगों को घुटनों तक पानी में होकर आवागमन करना पड़ा, जबकि कई स्थानों पर यातायात भी प्रभावित हुआ। लगातार बारिश के चलते प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है। आने वाले समय में औ? भी बरिश की संभावना जताई गयी है, जिसके चलते स्थिति और भी गंभीर होने के आसार बने हुए हैं।
--

भाकृअनुप ICAR

Regd. No.- 46-05-2009

KRISHI VIGYAN KENDRA, DIMA HASAO

Miyungkro, Assam

(ICAR-ATARI, Zone VI, Guwahati)

Host: Keshav Smarak Nyas, Haflong

Advt. No. 01/2026

Applications are invited from eligible candidates for the following vacant posts under plan-scheme of ICAR at Krishi Vigyan Kendra, Dima Hasao

Sl. No.	Post/Discipline	Pay Scale	Qualifications
1.	**Subject Matter Specialist (Fisheries)/T-6** (One post)	Initial pay: Rs. 56,100-1,77,500/- (Level 10 in Pay Matrix, 7th Pay, ICAR norms)	***Essential*** Master's degree in Fisheries Science from a recognized University ***Desirable*** 1. Two years' experience in KVK/Extension Education Projects activities from a reputed institution/farm. 2. Working knowledge of computer.
2.	**Farm Manager/T-4** (One Post)	Initial pay: Rs.35,400-1,12,400/- (Level 6 in Pay Matrix, 7th Pay, ICAR norms)	***Essential*** Bachelor's degree in Agriculture/Horticulture or any other branch of science relevant to agriculture or equivalent qualification from a recognized University. ***Desirable*** 1. Two years' experience in KVK/reputed farm. 2. Working knowledge of computer.

1. The application form along with supporting documents should reach to the *The Chief Trustee, Keshav Smarak Nyas, Skill Development Centre, Gadain Razi, Near Govt. Boys' School, Haflong, Dima Hasao-788819*, Assam on or before **10/08/2026 (5:00 P.M) (IST).**
2. The applicant should refer website www.kvkdimahasao.org for detail advertisement, corrigendum and application form etc.

Chief Trustee
Keshav Smarak Nyas, Haflong

कोकराझार: डीसी पंकज चक्रवती ने केंद्रीय विद्यालय का किया दौरा, छात्रों को सफलता के ३-A' मंत्र दिए

कोकराझार २० जुलाई : कोकराझार के जिला आयुक्त (डीसी) श्री पंकज चक्रवर्ती (एसीएस) ने आज कोकराझार स्थित केंद्रीय विद्यालय का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने छात्रों, शिक्षकों, अभिभावकों और विद्यालय के कर्मचारियों के साथ संवाद कर शिक्षा के स्तर को और बेहतर बनाने की दिशा में जिला प्रशासन की प्रतिबद्धता दोहराई।जिला आयुक्त ने अभिभावक-शिक्षक संघ (झढअ) के सदस्यों के साथ चर्चा की और विद्यालय समुदाय को मजबूत बनाने में उनकी भूमिका की सराहना की। इसके बाद उन्होंने विद्यालय के 'को-करिकुलर एक्टिविटीज' (उउअ) कार्यक्रम के तहत आयोजित 'वेस्ट टू बेस्ट' प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कक्षा १ से ५ तक के छात्रों द्वारा बेकार पडी वस्तुओं से बनाई गई पर्यावरण-अनुकूल कलाकृतियों को देखकर डीसी ने उनकी रचनात्मकता और पर्यावरण के प्रति जागरूकता की जमकर प्रशंसा की।

विद्यालय के कक्षा १०, ११ और १२ के छात्रों को संबोधित करते हुए श्री चक्रवर्ती ने एक प्रेरक 'लाइफ ग्राफ' साझा किया। उन्होंने छात्रों को समझाया कि १ से २० वर्ष की आयु का समय भविष्य की नींव होता है। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे अपने इस महत्वपूर्ण समय को सीखने, कौशल विकास, अनुशासन और कडी मेहनत में लगाएं, क्योंकि आज की गई मेहनत ही एक सफल और उज्वल भविष्य का आधार बनती है।

?सफलता के ३-अ मंत्र

छात्रों को जीवन में ऊंचाइयां हासिल करने के लिए डीसी ने 'सफलता के ३-अ' का मंत्र दिया: ?Aptitude (योग्यता): अपने ज्ञान और कौशल का विकास करें।

(सकारात्मक दृष्टिकोण): सही मानसिकता और अच्छे मूल्यों को अपनाएं।

(ऊंचाई): दृढ.संकल्प और निरंतरता के साथ सफलता के उच्च शिखर तक पहुंचें।

अपने दौरे के अंत में, जिला आयुक्त ने विद्यालय प्रबंधन के साथ बुनियादी ढांचे और शैक्षणिक आवश्यकताओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने विद्यालय के वातावरण को अधिक छात्र-केंद्रित और मनोवैज्ञानिक रूप से सहायक बनाने पर बल दिया।

?कार्यक्रम का समापन छात्रों को बडे.सपने देखने, अनुशासित रहने और जीवन के हर क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने के प्रोत्साहन के साथ हुआ।

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा से मिला सीजेपी डेलिगेशन, धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा सहित ये मांगें रखीं, आंदोलन जारी रहेगा

नई दिल्ली. (एजें) २० जुलाई राजधानी दिल्ली में आज से शुरू हो रहे संसद के मॉनसून सत्र के पहले ही दिन सडक़ से लेकर संसद तक भारी हंगामे के आसार नजर आ रहे हैं. कॉकरोच जनता पाटी के प्रस्तावित संसद मार्च के ऐलान के चलते सुरक्षा एजेंसियां भी अलर्ट पर हैं. दिल्ली पुलिस ने सीजेपी के प्रस्तावित चलो संसद मार्च से पहले नई दिल्ली जिले में सुरक्षा व्यवस्था कडी करते हुए धारा १६३ के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी है. सीजेपी नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे, शिक्षा व्यवस्था में सुधार और प्रभावित छात्रों को न्याय देने की मांग को लेकर २० जून से जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रही है. सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके की रातभर धरनास्थल पर डटे रहने की अपील के बाद रविवार को ही बडी संख्या में लोग जंतर-मंतर पर पहुंच गए और सोमवार को प्रस्तावित संसद चलो मार्च से पहले वहां बैनर लगाकर नारेबाजी की.उधर दिल्ली पुलिस की ओर से सभी प्रदर्शनकारियों से शांति बनाए रखने, संयम बरतने और शांति एवं सार्वजनिक व्यवस्था सुनिश्चित करने में पुलिस के साथ सहयोग करने की अपील की गई. साथ ही कहा गया कि सभी प्रतिभागियों से अनुरोध है कि वे शांतिपूर्ण व्यवहार करें, किसी भी गैरकानूनी या हिंसक गतिविधि में शामिल न हों और ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों/कर्मियों द्वारा जारी किए गए कानूनी निर्देशों का पालन करें.सौरव दास ने एक्स पर लिखा, मैं और आशुतोष रांका दोपहर १२ बजे से जे.पी. नड्डा के आवास पर हैं. हमने अपनी मांगें उन तक पहुंचा दी हैं, जिनमें धर्मेंद्र प्रधान का तत्काल इस्तीफा/बर्खास्तगी शामिल है. मंत्री जी ने हमें आश्वासन दिया है कि वे इस मामले पर उचित स्तर पर चर्चा करेंगे. हालांकि, अभी तक कोई प्रतिबद्धता नहीं जताई गई है. शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारी अपनी मांग पूरी होने तक चैन से नहीं बैठेंगे.वहीं सांसद प्रियंका गांधी ने कहा ये हमारे अपने बच्चे हैं, हमारे देश का भविष्य हैं. यह संसद इन्हीं की है, किसी की निजी जागीर की नहीं. छात्रों और युवाओं का मुद्दा पूरी तरह जायज है. हम सभी, और राहुल जी भी, लंबे समय से इस मुद्दे को उठाते आ रहे हैं और इसके समाधान के लिए लगातार चर्चा की मांग कर रहे हैं. हम बार-बार कहते हैं कि इस पर संसद में बहस होनी चाहिए, क्योंकि हमारी शिक्षा नीति में कई बडी कमियां और गंभीर मुद्दे हैं.

पूसीरे के न्यू जलपाईगुडी यार्ड में मल्टी सेक्शन डिजिटल एक्सल काउंटर की होगी कमीशनिंग

गुवाहाटी, २० जुलाई (हि.स.)। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) ने कटिहार मंडल के अधीन न्यू जलपाईगुडी यार्ड में मल्टी सेक्शन डिजिटल एक्सल काउंटर (एमएसडीएसी) की कमीशनिंग किए जाने के साथ, रेल अवसंरचना के आधुनिकीकरण की दिशा में एक और उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है।कमीशनिंग का यह कार्य २६ से २८ जुलाई तक होगा। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज बताया है कि यह उन्नत सिग्नलिंग प्रणाली ट्रेन डिटेक्शन (ट्रेन का पता लगाने की) क्षमताओं में काफी सुधार लाएगी, परिचालन सुरक्षा मजबूत होगी, विश्वसनीयता में बढोतरी होगी और इस क्षेत्र के सबसे व्यस्त रेलवे यार्डों में से एक में ट्रेनों की सुचारू आवाजाही को ज्यादा सुगम बनाएगी। कमीशनिंग कार्य को सुविधाजनक बनाने के लिए, कुछ ट्रेन सेवाओं को अस्थायी रूप से विनियमित किया जाएगा, जिसमें कई ट्रेनें शामिल हैं।

रद्द ट्रेनें:२८ जुलाई को ट्रेन संख्या ५५७४९/५५७५० (न्यू जलपाईगुडी - हल्दीबाडी - न्यू जलपाईगुडी) पैसेंजर रद्द रहेगी।

आंशिक रद्द होने वाली ट्रेनें:२८ जुलाई को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या २२३०१ (हावडा- न्यू जलपाईगुडी) वंदे भारत एक्सप्रेस किशनगंज तक चलेगी। परिणामस्वरूप, किशनगंज और न्यू जलपाईगुडी के बीच यह ट्रेन सेवा रद्द रहेगी। २८ जुलाई को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या २२३०२ (न्यू जलपाईगुडी-हावडा) वंदे भारत एक्सप्रेस किशनगंज से खुलेगी। परिणामस्वरूप, न्यू जलपाईगुडी और किशनगंज के बीच यह ट्रेन सेवा रद्द रहेगी।

ट्रेनों का पुनर्निर्धारण:२७ जुलाई को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या १४०३७ (सिलचर- नई दिल्ली) एक्सप्रेस सिलचर से १९:१० बजे के बजाय २१:१० बजे रवाना होगी।२८ जुलाई को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या १२५१० (गुवाहाटी- एसएमवीटी बेंगलुरु) एक्सप्रेस गुवाहाटी से ०६:१५ बजे के बजाय ०७:४५ बजे रवाना होगी।२८ जुलाई को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या १३१४२ (न्यू अलीपुरद्वार- सियालदह) एक्सप्रेस न्यू अलीपुरद्वार से ११:५० बजे के बजाय १२:५० बजे रवाना होगी।ट्रेनों का मार्ग परिवर्तन:२७ जुलाई को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या २०५०४ और १२४२४ (नई दिल्ली- डिब्रूगढ) राजधानी एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या २०५०५ और १२४२३ (डिब्रूगढ- नई दिल्ली) राजधानी एक्सप्रेस और ट्रेन संख्या २०५०१ (अगरतला- आनंद विहार टर्मिनल) तेजस राजधानी एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया अलुआबाडी रोड- ठाकुरगंज-सिलीगुडी- गुलमाहोकर चलेगी। मार्ग परिवर्तन के दौरान, ये ट्रेनें न्यू जलपाईगुडी को बाईपास करेंगी और सिलीगुडी जंक्शन पर अस्थायी ठहराव होगा।

विनियमित ट्रेन:२६ जुलाई को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या १५६३१ (बाडमेर- गुवाहाटी) एक्सप्रेस को निर्धारित समय से लगभग ६० मिनट तक विनियमित किया जा सकता है।रक्षा करना है।

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, राजगीर में गुप कमांडर ब्रिगेडियर देव कुमार सेन का गरिमामय आगमन

राजगीर (नालंदा), दिनांक : २० जुलाई, २०२६। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, राजगीर में एनसीसी गुप मुख्यालय, गया के गुप कमांडर ब्रिगेडियर देव कुमार सेन का गरिमामय एवं प्रेरणादायी दौरा सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर उनके साथ ३८ बिहार बटालियन एनसीसी, बिहारशरीफ के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल राजेश बहरी भी उपस्थित रहे। विद्यालय परिसर में उनके आगमन पर गरिमा, अनुशासन एवं आत्मीयता का अनुपम वातावरण देखने को मिला।

विद्यालय पहुँचने पर प्राचार्य श्री विनीत कुमार शुक्ला एवं एसोसिएट एनसीसी अधिकारी (अछज) श्री विकास कुमार उपाध्याय ने अतिथियों का पारंपरिक भारतीय संस्कृति के अनुरूप शाल ओढाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर हार्दिक अभिनंदन किया। स्वागत समारोह ने आगंतुक अधिकारियों पर विद्यालय की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा एवं आतिथ्य भाव की सशक्त छाप छोडी।इसके उपरांत विद्यालय की एनसीसी इकाई के कैडेट्स ने पूर्ण सैन्य अनुशासन एवं उत्कृष्ट समन्वय का परिचय देते हुए गार्ड ऑफ ऑनर, सलामी तथा पायलटिंग (ऐलेंीळपस) के माध्यम से अतिथियों का सम्मान किया। कैडेट्स की सुदृढ. परेड, अनुशासन, आत्मविश्वास एवं नेतृत्व क्षमता ने सभी उपस्थित जनों को अत्यंत प्रभावित किया तथा विद्यालय में संचालित एनसीसी प्रशिक्षण की उच्च गुणवत्ता को प्रत्यक्ष रूप से प्रदर्शित किया।

दौरे के क्रम में ब्रिगेडियर देव कुमार सेन ने विद्यालय परिसर, शैक्षणिक वातावरण, छात्रावास व्यवस्था, स्वच्छता, हरित परिसर तथा एनसीसी गतिविधियों का विस्तृत अवलोकन किया। उन्होंने विद्यालय में अनुशासन, स्वच्छता, विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास तथा राष्ट्रनिर्माण की भावना से संचालित गतिविधियों की मुक्तकंठ से प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि नवोदय विद्यालयों में शिक्षा के साथ-साथ नेतृत्व, सेवा, अनुशासन और राष्ट्रीय चेतना का जो समन्वित वातावरण विकसित किया जाता है, वह विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का उत्कृष्ट उदाहरण है।

अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में ब्रिगेडियर देव कुमार सेन ने एनसीसी कैडेट्स से राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा, नेतृत्व क्षमता, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं सेवा भावना को जीवन का अभिन्न अंग बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि एनसीसी केवल एक संगठन नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण, व्यक्तित्व विकास और राष्ट्रसेवा का सशक्त माध्यम है, जो युवाओं को एक जिम्मेदार एवं आदर्श नागरिक बनने की दिशा प्रदान करता है।इस अवसर पर कर्नल राजेश बहरी ने भी कैडेट्स का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें एनसीसी की विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता बनाए रखने तथा भविष्य में सेना एवं अन्य वर्दीधारी सेवाओं में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के प्राचार्य श्री विनीत कुमार शुक्ला ने दोनों वरिष्ठ अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका प्रेरणादायी मार्गदर्शन विद्यार्थियों एवं कैडेट्स के लिए सदैव स्मरणीय रहेगा तथा इससे उनमें राष्ट्रसेवा और अनुशासित जीवन के प्रति नई ऊर्जा एवं उत्साह का संचार होगा।कार्यक्रम का समापन सौहार्दपूर्ण वातावरण में धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। यह गरिमामय दौरा विद्यालय परिवार एवं एनसीसी कैडेट्स के लिए प्रेरणा, उत्साह एवं गौरव का अविस्मरणीय अवसर सिद्ध हुआ।

३डी प्रिंटिंग विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला

प्रे.स. शिलचर, २० जूलाई: पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय, मासिमपुर के प्राचार्य डॉ हरपाल सिंह के नेतृत्व में दिनांक २० जुलाई २०२६ को अचढठजछ एवं असम विश्वविद्यालय, शिलचर के संयुक्त सहयोग से ३डी प्रिंटिंग विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया।कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को ३डी प्रिंटिंग तकनीक, उसके सिद्धांत, कार्यप्रणाली तथा विभिन्न क्षेत्रों में उसके उपयोग से परिचित कराना था। विशेषज्ञों ने ३डी प्रिंटर की संरचना, कार्य करने की प्रक्रिया तथा डिजाइन से लेकर तैयार मॉडल के निर्माण तक की संपूर्ण जानकारी सरल एवं व्यावहारिक ढंग से प्रस्तुत की। प्रतिभागियों को ३डी प्रिंटिंग के लाइव प्रदर्शन के माध्यम से आधुनिक तकनीक का प्रत्यक्ष अनुभव भी प्राप्त हुआ।कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछे तथा तकनीक से संबंधित विभिन्न पहलुओं को समझा। इस कार्यक्रम ने उनमें नवाचार, रचनात्मकता तथा वैज्ञानिक सोच को बढावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए विद्यालय प्रशासन ने AMTRON तथा असम विश्वविद्यालय, शिलचर के विशेषज्ञों एवं आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया। अंत में सभी प्रतिभागियों ने इस कार्यशाला को अत्यंत ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक एवं उपयोगी बतायाें श्री अभिजीत साहू एवं सुश्री अन्नू सहरावत मैम की गरिमामयी उपस्थिति बनी रही ?

विशिष्ट समाजसेवी, पत्रकार वीरेन कोइरी को सार्वजनिक स्मृति सभा संपन्न । स्मरण पत्रिका 'श्रद्धार्ंय' का विमोचन

दुमदुमा प्रेरणा भारती २० जुलाई :-- असम चाय जनजाति छात्र संस्था की तिनसुकिया जिला समिति के संस्थापक सचिव, चाय जनजाति के वरिष्ठ नेता, समाज संगठक और पूर्व पत्रकार दिवंगत वीरेन कोइरी के आद्यश्राद्ध के अवसर पर आज असम चाय जनजाति छात्र संस्था दुमदुमा शाखा के सौजन्य और आम जनता के सहयोग से ऊंचामाटी स्थित मिलन विवाह भवन में एक सार्वजनिक संस्मरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर अखिल भारतीय गायत्री परिवार की ओर से वीरेन कोइरी के प्रतिछवि के समक्ष दीप प्रज्वलित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके बाद असम चाय जनजाति छात्र संघ के केंद्रीय कार्यकारी सदस्य रूपेश तांती की अध्यक्षता में सार्वजनिक स्मृति सभा आयोजित की गई । असम चाय जनजाति छात्र संस्था, दुमदुमा शाखा के सचिव योगेश्वर नंद द्वारा संचालित इस कार्यक्रम की शुरुआत में दिवंगत वीरेन कोयरी की याद में एक मिनट का मौन रखा गया। इसके बाद दुमदुमा के पूर्व विधायक व एक समय के आटसा के पूर्व अध्यक्ष दुर्गा भूमिज , दुमदुमा के विधायक रूपेश ग्वाला , रूपाई उच्च माध्यमिक विद्यालय के सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक प्रकाश दत्त, दुमदुमा प्रेस क्लब के उपाध्यक्ष अभिजीत खाटनियार , आटसा के पूर्व पदाधिकारी नगेन कुमार , और दुमदुमा आंचलिक छात्र संस्था के सचिव समुज्वल बोरा सोनोवाल, सुरेश भुमिज सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने वीरेन कोइरी के सामाजिक योगदान को याद करते हुए वक्तव्य प्रदान किया । इस स्मृति सभा में माकुम विधानसभा क्षेत्र के विधायक संजय किसान, असम चाय जनजाति छात्र संस्था के तिनसुकिया जिला समिति के अध्यक्ष जगत नायक, चाय जनजाति छात्र संस्था दुमदुमा शाखा समिति के अध्यक्ष इरत तांती, असम चाय जनजाति जातीय महासभा केंद्रीय समिति के सचिव अरुण कावर, तिनसुकिया जिला अध्यक्ष बबलू कुलदीप, विशिष्ट लेखक राजेन सुडी सहित विभिन्न दल संगठनों के नेता और प्रमुख व्यक्ति उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार और तिनसुकिया जिला साहित्य सभा के पूर्व अध्यक्ष अर्जुन बरुआ ने वीरेन कोइरीकी स्मृति में देवेंद्र डेका और सुभाष साहू द्वारा संपादित स्मरण पत्रिका ''श्रद्धार्घ्य ' का उन्मोचन किया।

हाइलाकांदी चोरीकांड में पुलिस की बडी सफलता, पाँच गिरफ्तार २१ ग्राम सोना और भारी मात्रा में चाँदी के आभूषण बरामद

प्रतिनिधि हाइलाकांदी, २० जुलाई: हाइलाकांडी शहर के नतुनपाडा क्षेत्र स्थित बाउरघाट पेट्रोल पंप के मालिक एवं प्रतिष्ठित व्यवसायी स्वपन दास के घर में हुई साहसिक चोरी की घटना का खुलासा करते हुए हाइलाकांदी जिला पुलिस ने महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। घटना के तुरंत बाद पुलिस ने विशेष जांच शुरू की और जिले के विभिन्न इलाकों में लगातार अभियान चलाकर पाँच आरोपियों को गिरफ्तार किया। साथ ही लगभग २१ ग्राम सोने के आभूषण तथा भारी मात्रा में चाँदी के गहने बरामद किए गए हैं। हालाँकि चोरी की गई नकदी तथा कुछ अन्य कीमती आभूषण अभी तक बरामद नहीं हो सके हैं। पुलिस ने बताया कि उनकी बरामदगी के लिए अभियान लगातार जारी है। यह अभियान हाइलाकांदी सदर थाना प्रभारी (ओसी) पॉल लालहिमसांग की मौजूदगी में तथा टाउन दरोगा निशिरंजन देव के नेतृत्व में सदर थाना पुलिस की एक विशेष टीम द्वारा चलाया गया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में रंगाउटी गाँव के रिजू अहमद मजूमदार बहादुरपुर के अकबर हुसैन लस्कर गंगापार धुमकर क्षेत्र के ई-रिक्शा चालक जाबेदुल हक उसी क्षेत्र के प्रसेंजीत राय तथा हाइलाकांदी शहर के सिराजपट्टी स्थित ताज महल ज्वेलर्स के स्वामी नहारुल इस्लाम बडभुइयाँ शामिल हैं। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपियों पर चोरी की वारदात में प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से संलिप्त रहने मुख्य आरोपियों को फरार होने में सहायता देने चोरी का माल बेचने तथा चोरी का सामान खरीदने बेचने के आरोप हैं। जांच के दौरान इस गिरोह की गतिविधियों से संबंधित कई महत्वपूर्ण जानकारियाँ भी प्राप्त हुई हैं। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि इस गिरोह से और कौन-कौन लोग जुडे.हुए हैं। इसके लिए विभिन्न स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।जांच के दौरान एक और महत्वपूर्ण तथ्य सामने आया है। गत १५ जुलाई को हाइलाकांदी नगर परिषद के वार्ड संख्या १ के निवासी पवन कुमार सिंह के घर में भी चोरी हुई थी। उस समय वह निजी काम के सिलसिले में गुवाहाटी में थे। घर लौटने पर उन्होंने सामान बिखरा हुआ पाया और बाद में आभूषण चोरी होने की पुष्टि होने पर हाइलाकांदी सदर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई।पुलिस अभियान के दौरान बरामद किए गए आभूषणों में पवन कुमार सिंह ने अपने चोरी हुए गहनों की पहचान की। इससे जांचकर्ताओं को आशंका है कि इन दोनों चोरी की घटनाओं के पीछे एक ही गिरोह का हाथ हो सकता है। पुलिस इस संभावना की गंभीरता से जांच कर रही है।पुलिस ने बताया कि चोरी की गई शेष नकदी और अन्य कीमती सामान की बरामदगी के लिए अभियान को और तेज किया गया है। साथ ही चोरी के माल की खरीद फरोख्त और तस्करी से जुडे.पूरे नेटवर्क की पहचान कर सभी दोषियों को कानून के दायरे में लाने के लिए जांच का दायरा बढाया जा रहा है।कम समय में पाँच आरोपियों की गिरफ्तारी और बडी मात्रा में चोरी के आभूषणों की बरामदगी को जिले की हालिया अवधि की सबसे महत्वपूर्ण पुलिस सफलताओं में से एक माना जा रहा है। पुलिस की त्वरित एवं समन्वित कार्रवाई से शहरवासियों में भी राहत और विश्वास का माहौल बना है।

कोकराझार में उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था के प्रबंधन पर एक दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित

कोकराझार, २० जुलाई: मातृत्व स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ. करने और उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था (कळसह-ळळीज्ञ झीशसपरपलू) के प्रबंधन में स्वास्थ्य पेशेवरों की क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से कोकराझार के प्रशासनिक स्टाफ कॉलेज में एक दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विशेष रूप से सेक्टर मेडिकल ऑफिसर्स और एक साल की अनिवार्य ग्रामीण पोस्टिंग कर रहे मेडिकल ऑफिसर्स के लिए आयोजित किया गया था।कार्यक्रम में कोकराझार के उपायुक्त (उउ) पंकज चक्रवर्ती विशेष रूप से उपस्थित रहे। उनके साथ अतिरिक्त जिला आयुक्त (स्वास्थ्य) बंटी तालुकदार और जिला कार्यक्रम प्रबंधन इकाई (उझचण) के अधिकारियों ने भी शिरकत की। इन अधिकारियों ने जिले भर में गुणवत्तापूर्ण मातृत्व स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए फ्रंटलाइन मेडिकल ऑफिसर्स के निरंतर क्षमता निर्माण पर जोर दिया।कार्यक्रम का तकनीकी सत्र आरएनबी सिविल अस्पताल, कोकराझार के उप-अधीक्षक और कंसल्टेंट गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. जुनीकर अली द्वारा संचालित किया गया। इस दौरान चिकित्सकों को उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था की प्रारंभिक पहचान, जोखिम के वर्गीकरण (ठळीज्ञ ङीरींळषळलरींळेप), समय पर रेफरल तंत्र और साक्ष्य-आधारित नैदानिक प्रबंधन के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इसका मुख्य उद्देश्य मातृ एवं नवजात शिशु स्वास्थ्य के परिणामों में सुधार लाना है। ?कार्यक्रम का समापन एक इंटरैक्टिव सत्र के साथ हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने अपने क्लिनिकल अनुभव साझा किए और विशेषज्ञों से अपने सवालों के जवाब प्राप्त किए। इस चर्चा ने कोकराझार के स्वास्थ्य केंद्रों में उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था के प्रभावी प्रबंधन के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं को और मजबूत किया।

सुशील कुमार शुक्ल को विभिन्न संगठनों ने दिए लायंस क्लब के अध्यक्ष पद की शुभ कामना

लखीमपुर २० जुलाई लायंस क्लब लखीमपुर शाखा और लायंस क्लब प्रेरणा का वार्षिक अधिवेशन २०२६-२७ संपन्न हुआ। इस अवसर पर समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय सुशील कुमार शुक्ल जी को वर्ष २०२६-२७ के लिए अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई।सुशील कुमार शुक्ल जी विगत कई वर्षों से विभिन्न सामाजिक,धार्मिक एवं शैक्षणिक संगठनों से जुड़कर सेवा कार्य कर रहे हैं। वे श्री श्री हनुमान मंदिर में कोषाध्यक्ष,सचिव और अध्यक्ष और छठ घाट पूजा समिति में अध्यक्ष,सर्वेश्वर बरुवा हिंदी विद्यालय में अध्यक्ष पदों पे कार्य कर चुके है साथ ही साथ अखिल असम भोजपुरी परिषद लखीमपुर जिला समिति में मुख्य सलाहकार और लखीमपुर भोजपुरी कल्याण समाज में सचिव के रूप में सेवाएं दे रहे है,इसके अलावे श्री श्री आदर्श सुंदरकांड सत्संग मंडल, ब्राह्मण समाज,चेंबर ऑफ कॉमर्स,श्री कृष्ण गोपाल गौशाला में ट्रस्टी,वनवासी रक्षा परिवार फाउंडेशन लखीमपुर में सक्रिय सदस्य के भूमिका निभा रहे है।उनके अध्यक्ष निर्वाचित होने पर उपरोक्त सभी संगठनों के अध्यक्ष, सचिव एवं पदाधिकारियों ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। सभी ने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में लायंस क्लब समाज सेवा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करेगा।नवनियुक्त अध्यक्ष सुशील कुमार शुक्ल जी ने कहा कि वे क्लब के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, रक्तदान एवं जरूरतमंदों की सहायता के लिए विशेष अभियान चलाएंगे।कार्यक्रम में लायंस क्लब के वरिष्ठ सदस्य,महिला विंग एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

रामकृष्णनगर में शुरू हुआ शचीन्द्रमोहन दत्त बी डिवीजन फुटबॉल लीग-कम-नॉकआउट उद्घाटन मुकाबले में एमडीसी ट्राइबल क्लब ने दर्ज की जीत

गौतम सरकार, रामकृष्णनगर, २० जुलाई। खराब मौसम और लगातार बारिश के बावजूद रामकृष्णनगर में सोमवार को शचीन्द्रमोहन दत्त बी डिवीजन फुटबॉल लीग-कम-नॉकआउट प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन मुकाबले में हाल ही में फाइव-ए-साइड फुटबॉल प्रतियोगिता में उपविजेता रही एमडीसी ट्राइबल क्लब ने डलुरबंद जे.जे.एफ.सी. को १-० गोल से हराकर विजयी शुरुआत की।मैच का एकमात्र गोल एमडीसी ट्राइबल की ओर से फेडरिक ने खेल शुरू होने के दूसरे मिनट में किया। इसके बाद दोनों टीमों ने कई अवसर बनाए, लेकिन कोई भी टीम गोल करने में सफल नहीं रही। विशेष रूप से डलुरबंद जे.जे.एफ.सी. का मध्य मैदान कमजोर नजर आया, जिसके कारण टीम के खिलाड़ियों को गेंद पर नियंत्रण बनाए रखने में परेशानी हुई।मैच में रेफरी की भूमिका साहिन अहमद, जसीमुद्दीन, अली हुसैन और देवजीत मालाकार ने निभाई।

उद्घाटन मैच से पहले आयोजन संस्था के सचिव सुनीत देव, उपाध्यक्ष विधुनाथ, फुटबॉल सचिव कानू राय, पूर्व सचिव विश्वतोष सेन, संजीव दास, पूर्व फुटबॉल खिलाडी कमलजीत पाल, जयंत श्याम चौधरी, एजीएस सुरजीत दे, गवर्निंग बॉडी के सदस्य मनतोश देव, सानी दास और दीपांकर शील ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया।प्रतियोगिता के अगले मुकाबले में मंगलवार को बालिरबंद एकादश का सामना नागरा फाइव स्टार से होगा। खराब मौसम के बावजूद उद्घाटन मुकाबले को देखने के लिए मैदान में दर्शकों की अच्छी-खासी मौजूदगी रही।

ज्योतिष में है भविष्य

पृथ्वी से कई प्रकाश वर्ष दूर ग्रहों का मानव पर क्या प्रभाव पड़ेगा। इसका अध्ययन ज्योतिष में किया जाता है। ज्योतिष के द्वारा ज्ञात हो सकता है कि कौन से ग्रह उस पर अच्छा प्रभाव डालेंगे और कौन से ग्रह बुरा। हर ग्रह का अपना एक तत्व होता है उस तत्व के द्वारा उस ग्रह के बुरे प्रभाव को खत्म किया जा सकता है। वर्तमान में ज्योतिष एक संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में उभर कर आया है।

ज्योतिष ग्रहों को जानने की एक प्राचीन विद्या है। यह हमारे ऋषि-मुनियों द्वारा प्रदत्त एक ज्ञान है। ज्योतिष ग्रहों की गणितीय गणना है। ज्योतिष का सबसे बड़ा लाभ यह है कि व्यक्ति को अपनी अनुकूल और प्रतिकूल स्थिति का ज्ञान हो जाता है, जिससे वह उसके अनुसार कार्य करता है तो विपरीत परिस्थितियों में भी उसे संबल मिलता है।

पृथ्वी से कई प्रकाश वर्ष दूर ग्रहों का मानव पर क्या प्रभाव पड़ेगा। इसका अध्ययन ज्योतिष में किया जाता है। ज्योतिष के द्वारा ज्ञात हो सकता है कि कौन से ग्रह उस पर अच्छा प्रभाव डालेंगे और कौन से ग्रह बुरा। हर ग्रह का अपना एक तत्व होता है उस तत्व के द्वारा उस ग्रह के बुरे प्रभाव को खत्म किया जा सकता है। वर्तमान में ज्योतिष एक संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में उभर कर आया है। इस विद्या में कंप्यूटर के प्रयोग से ज्योतिष का क्षेत्र सरल एवं व्यापक हुआ है। भारत में ज्योतिष से संबंधित लगभग 1800 वेबसाइट्स हैं। विदेशों में ज्योतिष से संबंधित लगभग 2 लाख से अधिक वेबसाइट्स हैं। युवा ज्योतिष विद्या का अध्ययन कर इसमें भी कैरियर बना सकते हैं। शासकीय संस्कृत महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. विनायक पांडे के अनुसार ज्योतिष वर्तमान में एक अच्छे कैरियर क्षेत्र के रूप में उभरा है। कई युवा इस प्राचीन भारतीय विद्या के बारे में जानने-समझने को उत्सुक हैं। अभी इस विद्या का पूर्ण और सही ज्ञान रखने वालों की भारत में अभी भी कम है।

उन्होंने बताया कि ज्योतिष के दो प्रकार होते हैं- 1. सिद्धांत ज्योतिष और 2. फलित ज्योतिष। सिद्धांत ज्योतिष के अंतर्गत पंचांग आदि का निर्माण शामिल है। इसका अध्ययन कर युवा खुद स्वरोजगार स्थापित कर सकते हैं, बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे सकते हैं। फलित ज्योतिष के अंतर्गत भविष्य देखना, पत्रिका बनाना, ग्रहजन्य पीड़ा, निदान आदि का अध्ययन किया जाता है।

डॉ. पांडे कहते हैं कि ज्योतिष में रुचि रखने वाले युवा ज्योतिष में डिप्लोमा कर सकते हैं। 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद आप किसी भी विषय में स्नातक की पढ़ाई के साथ यह डिप्लोमा कर सकते हैं। यह डिप्लोमा कोर्स तीन वर्षीय है। पहले साल में उत्तीर्ण होने पर प्रमाण-पत्र दिया जाता है। दूसरे वर्ष में डिप्लोमा और तीसरे वर्ष में एडवांस डिप्लोमा होता है। यह युवाओं के लिए उभरता हुआ कैरियर क्षेत्र है। ज्योतिष के साथ में आध्यात्मिक जुड़ाव भी होना चाहिए।

प्रचलित चिकित्सा पद्धति के नुकसान के चलते जहां लोगों में आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा का प्रचलन बढ़ रहा है वहीं कुछ वर्षों से योग के प्रति भी लोगों का रुझान तेजी से बढ़ा है। यदि कोई व्यक्ति योग शिक्षक बनना चाहता है तो उसे योग की तमाम अपेक्षित जानकारी होनी चाहिए।

योग में संवारे कैरियर

इस क्षेत्र में अनेक संभावनाएं हैं। योग शिक्षा और प्रशिक्षण के बाद आप स्वयं योग-कक्षाएं लगा सकते हैं। इसके लिए सिर्फ आपके पास साफ-सुथरा स्थान तथा स्वस्थ माहौल होना चाहिए। खुली जगह सर्वोत्तम रहती है। यदि मान्यता प्राप्त संस्थान से प्रशिक्षण लिया है तो आप स्कूल, कॉलेज में भी कक्षाएं ले सकते हैं। चिकित्सक और शोधकर्ता के रूप में आप रोगों तथा विकारों के संबंध में कार्य कर सकते हैं। योग में अनेक क्षेत्र हैं, लेकिन दो प्रमुख क्षेत्र हैं -1. अध्यापन और अनुसंधान तथा 2. रोगों का उपचार। जहां तक रोगों के उपचार का संबंध है, योग मन और शरीर- दोनों का इलाज करता है। किंतु यह जानना जरूरी होता है कि किस आसन और प्राणायाम से कौन-सा रोग ठीक होता है। इसके लिए विद्यार्थियों के लिए विशेष कक्षाएं लगाई जाती हैं, जहां उन्हें विभिन्न आसन और योग के अन्य पहलू सिखाए जाते हैं। योग पर अनेक ग्रंथ हैं। उक्त ग्रंथों का अध्ययन कर योगाभ्यास की सही तकनीक समझ सकते हैं। योग में प्रशिक्षण लेना बेहद जरूरी है क्योंकि यदि व्यायाम सही ढंग से नहीं किया जाता है तो समस्या बढ़ सकती है। यदि समुचित प्रशिक्षण के बिना योग किया जाता है तो यही योग हानिकारक भी हो सकता है।

रोजगार की संभावनाएं

वर्तमान में भारत में 30 से ज्यादा कॉलेजों में योग विषय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं। किसी भी क्षेत्र के स्नातक योग से संबंधित पाठ्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर पर ये पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं, अथवा स्नातकोत्तर डिप्लोमा स्तर का एक वर्ष का पाठ्यक्रम भी कराया जाता है। यहां यह भी जानना आवश्यक है कि कॉलेजों के अलावा देशभर में कई योग अध्ययन केंद्र भी हैं। योग पाठ्यक्रम में निम्नलिखित विषय शामिल हैं- शरीर रचना, दर्शन, ध्यान, व्यायाम तथा योग और ध्यान का सिद्धांत व नियम। व्यावहारिक पक्ष में योगासन, सूर्य नमस्कार तथा प्राणायाम जैसे विभिन्न आसन दिखाए जाते हैं।

आइए जानते हैं कुछ इंटरव्यू टिप्स, जिन्हें अपनाकर आप इंटरव्यू में सफल हो सकते हैं। समय से पहले न पहुंचें- समय से पहले पहुंचने पर इंटरव्यूअर पर आपके प्रति नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। समय का पाबंद रहना अच्छा गुण है। इस बात का ध्यान रखें कि आप न देर से पहुंचे और न समय से पहले पहुंच कर वहां खाली बैठे रहें। कुछ हायरिंग मैनेजरों को कैंडिडेट्स का बिना वजह खाली बैठे रहना पसंद नहीं आता।

इंटरव्यू की खास बातें

कहते हैं फर्स्ट इंप्रेशन इज़ लास्ट इंप्रेशन। किसी जॉब के लिए इंटरव्यू देते समय आपको इन्हीं बातों का ध्यान रखना पड़ता है। आप इंटरव्यू में अपने आपको सही तरीके से प्रस्तुत करेंगे तो आपको जॉब मिलने में आसानी होगी। आइए जानते हैं कुछ इंटरव्यू टिप्स, जिन्हें अपनाकर आप इंटरव्यू में सफल हो सकते हैं। समय से पहले न पहुचें- समय से पहले पहुंचने पर इंटरव्यूअर पर आपके प्रति नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। समय का पाबंद रहना अच्छा गुण है। इस बात का ध्यान रखें कि आप न देर से पहुंचे और न समय से पहले पहुंच कर वहां खाली बैठे रहें। कुछ हायरिंग मैनेजरों को कैंडिडेट्स का बिना वजह खाली बैठे रहना पसंद नहीं आता।

हरेक गतिविधि पर नजर- इंटरव्यू देते वक्त आपका ध्यान सिर्फ उसी पर रहता है। इंटरव्यूअर आपसे सवाल-जवाब करने के दौरान आपकी प्रत्येक हलचल पर ध्यान रखता है। कई कंपनियों में तो कैंडिडेट्स के व्यवहार को देखने के लिए रिसेप्शन पर कैमरे तक लगाए जाते हैं। हायरिंग मैनेजर इन कैमरों से यह देखते हैं कि आप रिसेप्शनिस्ट और दूसरे इंटरव्यू देने आए प्रतिभागियों से कैसा व्यवहार कर रहे हैं। बातों को बढ़ा-चढ़ाकर न बोलें- इंटरव्यू के दौरान अनावश्यक न बोलें। आपसे जो सवाल किया जाए, उसी का सीधे तरीके से जवाब दें। कई लोगों की आदत जरूरत से ज्यादा बोलने की होती है। इंटरव्यूवर को इस बात से सख्त नफरत होती है कि आप उसके सवाल का जवाब देने की बजाय इधर- उधर की बातें करें। अगर आप फालतू की बात करेंगे तो यही माना जाएगा कि आपको कुछ पता नहीं है। सकारात्मक जवाब- इंटरव्यू के दौरान अपने पॉजीटिव एटीट्यूट को प्रदर्शित करें। इंटरव्यू के दौरान आपसे चाहे जितने नकारात्मक प्रश्न पूछे जाएं, आप उनका जवाब पॉजीटिव ही दें। इंटरव्यू के दौरान ज्यादा कम्फर्टेबल और फ्रेंडली होने का प्रयास भी न करें। अपने इंप्लोयर की न करें आलोचना- आप अपने वर्तमान जॉब से चाहे कितने ही असंतुष्ट क्यों न हों, लेकिन इंटरव्यू के दौरान अपने इंप्लोयर की किसी भी तरह की आलोचना न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो इंटरव्यू पैनल में आपके बारे में गलत संदेश जाएगा।

फोटोग्राफी में ध्यान दें बारीकियों पर

फैशन और वाइल्ट लाइफ फोटोग्राफी में रुचि रखने वाले युवा इसे अपना पैशन मानते हैं। इस फील्ड में क्रिएटीविटी, टेक्निक, ट्रेनिंग, हार्डवर्क, ग्लैमर, एडवेंचर सब कुछ है। सही ट्रेनिंग और गाइडेंस से इस फील्ड में कैरियर बनाने का स्कोप बढ़ गया है। कई डिग्री होल्डर फोटोग्राफर्स भी फैशन और वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी की बारीकियां सीख रहे हैं। कैरियर संभावनाएं- फैशन इंडस्ट्रीज, कार्पोरेट और इंडस्ट्रीयल सेक्टर के विकसित होने से इस फील्ड में संभावनाएं बढ़ गई हैं। फैशन इंडस्ट्री के फलने-फूलने के साथ ही फैशन फोटोग्राफी में ग्लैमर जुड़ चुका है। आज हर कंपनी अपने प्रोडक्ट के साथ कैलेंडर, मैगजीन, विज्ञापन ब्रोशर प्रकाशित करती है। इनमें आकर्षक और स्टाइलिश फोटो की खास भूमिका होती है। इन सबके लिए फैशन फोटोग्राफर की बहुत जरूरत है। तकनीकी रूप से सक्षम होने पर इस क्षेत्र में भविष्य बहुत उज्जवल है।

शैक्षणिक योग्यता- फोटोग्राफी के लिए कम से कम ग्रेजुएशन होना जरूरी है। देशभर में कई इंस्टीट्यूट फोटोग्राफी में डिग्री या सर्टीफिकेट कोर्स करवाते हैं। एक सक्सेसफुल फोटोग्राफर बनने के लिए डीप स्टडी और अच्छे विजन का होना जरूरी है। अहमदाबाद, मुंबई, दिल्ली, औरंगाबाद जैसे शहरों में संस्थानों द्वारा फोटोग्राफी का विधिवत प्रशिक्षण दिया जाता है। इन संस्थानों में दो-तीन वर्षों के डिग्री कोर्स एवं ट्रेनिंग दी जाती है।

ब्रेन में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ाने के लिए एक्सरसाइज है सबसे बेहतर तरीका

रिसर्च

एक अध्ययन में शोधकर्ताओं ने मस्तिष्क के लिए अधिक ऑक्सीजन प्राप्त करने के एकमात्र तरीके पर ध्यान केंद्रित करते हुए अध्ययन किया है, जो रक्त प्रवाह को बढ़ाकर मस्तिष्क को अधिक रक्त प्राप्त करने में मदद करता है। इस अध्ययन में शोधकर्ताओं ने यह देखने में रुचि दिखाई कि ब्रेन ऑक्सीजन का स्तर प्राकृतिक व्यवहार और विशेष रूप से व्यायाम से कैसे प्रभावित होता है।

इस अध्ययन में शोधकर्ताओं ने सभी स्तनधारियों पर लागू एक सच्चाई का खुलासा किया है, जिसमें कहा गया है कि व्यायाम करने पर रक्त चूहे के दिमाग में अधिक ऑक्सीजन ला सकता है क्योंकि जब वे व्यायाम करते हैं, तो बढ़ी हुई श्वसन हीमोग्लोबिन में अधिक ऑक्सीजन पैक होता है।

पैट्रिक जे. ड्रयू न्यूरल इंजीनियरिंग और न्यूरोसर्जरी के ह्यूक प्रतिष्ठित एसोसिएट प्रोफेसर और पेन स्टेट न्यूरोसाइंस इंस्टीट्यूट के एसोसिएट डायरेक्टर, के अनुसार, मानक विचार यह था कि स्तनधारी रक्त हमेशा पूरी तरह से ऑक्सीजन से संतृप्त होता है। शोधकर्ताओं ने जर्नल ऑफ नेचर कम्युनिकेशंस में अध्ययन की सूचना दी।

ड्रयू ने कहा कि हम जानते हैं कि लोग संज्ञानात्मक कार्यों को करते समय श्वास पैटर्न बदलते हैं। वास्तव में, श्वसन चरण हाथ में काम को बंद कर देता है और मस्तिष्क में, तंत्रिका गतिविधि में वृद्धि आमतौर पर रक्त प्रवाह में वृद्धि के साथ होती है। हालांकि, वास्तव में शरीर में जो हो रहा है वह अज्ञात था, इसलिए शोधकर्ताओं ने चूहों का इस्तेमाल किया, जो ट्रेडमिल पर चलना या दौड़ना चुन सकते थे और उनकी श्वसन, तंत्रिका गतिविधि, रक्त प्रवाह और मस्तिष्क ऑक्सीकरण पर नजर रखी। इंजीनियरिंग साइंस और मैकेनिक्स में पोस्टडॉक्टरल फेलो, किंग गुआंग झांग ने कहा, हमने अनुमान लगाया कि मस्तिष्क ऑक्सीकरण तंत्रिका गतिविधि और रक्त प्रवाह पर निर्भर करेगा। हमें उम्मीद थी कि अगर रक्त का प्रवाह कम हो जाता है, तो मस्तिष्क के आगे के हिस्से में ऑक्सीजन आ जाएगा। हमने सोचा था कि ऐसा होगा, लेकिन तब हमें एहसास हुआ कि यह श्वसन था जो ऑक्सीजन को बनाए रख रहा था। इसलिए यह एकमात्र तरीका यह हो सकता है कि व्यायाम रक्त को अधिक ऑक्सीजन ले जाने का कारण बन रहा है, जिसका अर्थ होगा कि रक्त सामान्य रूप से ऑक्सीजन से पूरी तरह से संतृप्त नहीं था। उन्होंने श्वसन, रक्त प्रवाह और ऑक्सीकरण की निगरानी के लिए कई तरीकों का इस्तेमाल किया। जिसमें कि उन्होंने तंत्रिका गतिविधि और रक्त वाहिका फैलाव को दबाते हुए ऑक्सीजन के स्तर का भी परीक्षण किया। इसमें शोधकर्ताओं के अनुसार, जब तंत्रिका गतिविधि और कार्यात्मक हाइपरमिया (रक्त प्रवाह बढ़ता है) अवरुद्ध हो गया था, तो ऊतक और मस्तिष्क को भोजन देने वाली धमनियों में दोनों अवरुद्ध हो गए थे और श्वसन दर और श्वसन चक्र के चरण के साथ कसकर संबंधित थे। इस आधार पर निष्कर्ष निकलते हैं कि श्वसन सेरेब्रल ऑक्सीजनेशन को संशोधित करने के लिए एक गतिशील मार्ग प्रदान करता है।

सिर्फ मेवा नहीं सेहत का खजाना है बादाम, इसके ये फायदे भी जानें

बादाम सिर्फ एक मेवा नहीं है, बल्कि सेहत का खजाना है। इसके नियमित सेवन से शरीर को ढेरों लाभ मिलते हैं। रोज भीगे हुए बादाम जरूर खाएं जाने चाहिए। ना जाने कितनी बार ये सलाह आपके कानों में पड़ी होगी। लेकिन क्या आप इस सलाह को मानते हैं?

अगर आपका जवाब नहीं है तो संभव है कि अब तक आप बादाम में छुपे ढेरों फायदों से रूबरू नहीं हो पाए हैं। यह कई सारी बीमारियों को भी ठीक करने की ताकत छोटे से बादाम में भरपूर मात्रा में होती है। यही वजह है कि दो साल पहले भारत में हुए एक सर्वे में पाया गया कि खुशी के मौके पर 97 प्रतिशत भारतीय बादाम खाना पसंद करते हैं। ऐसा देश के बड़े शहरों में 18 से 35 साल के 3037 लोगों पर किए सर्वे के बाद पाया गया था। आप भी बादाम के नियमित सेवन से अपने और अपने परिवार की सेहत को दुरुस्त कर सकते हैं।

बादाम खाइए, खून नहीं होगा कम : हीमोग्लोबिन की कमी महिलाओं को होने वाली आम परेशानी है। इस परेशानी से अगर आप भी जूझ रही हैं तो हर दिन चार-पांच बादाम खाना शुरू कर दें। दरअसल, बादाम खून बढ़ाने में मदद करता है। लाल रक्त कोशिकाओं के ऑक्सीजन ग्रहण कर पाने की क्षमता को शरीर में मौजूद कुछ पोषक तत्व प्रभावित करते हैं। बादाम खाने से शरीर को ये पोषक तत्व मिलते है, क्योंकि बादाम लाल रक्त कोशिकाओं के ऑक्सीजन ग्रहण करने की क्षमता को बेहतर बनाता है। ऐसा इसमें मौजूद कॉपर और आयरन की वजह से हो पाता है। बादाम को मेवे के रूप में खाने के साथ ही इसे आप आसानी से तरह-तरह के व्यंजनों और पेय पदार्थों का हिस्सा भी बना सकती है।

बादाम खाने का सही समय : बादाम खाना तब सबसे अच्छा होता है, जब आपका पेट एकदम खाली हो। इसको तब भी खाया जा सकता है, जब पेट हल्का हो। मतलब शाम को लंच के करीब 3 घंटे बाद। पर ऐसा क्यों होता है, जानना जरूरी है। दरअसल, बादाम तब खाना चाहिए, जब शरीर इसके पोषक तत्वों को बेहतर तरीके से सोख सके और ऐसा सिर्फ खाली पेट ही संभव है।

प्रदूषक तत्वों से बचाता है बादाम : फ्री रैडिकल्स यानी प्रदूषक तत्व हमारी सेहत के दुश्मन जैसे हैं। ये जितना बढ़ेंगे, उतना ही शरीर में बीमारी फैलने की वजह बनते जाएंगे, जबकि बादाम के छिलके में मौजूद फाइबर, फ्री रैडिकल्स से शरीर की रक्षा करता है। इसके अलावा इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो फ्री रैडिकल्स को संतुलित करते हैं और शरीर को बीमारियों से बचाते हैं।

डायबिटीज में फायदेमंद : खाना पेट में जाने के बाद शुगर का स्तर क्या होता है, इसी को नापने का पैमाना होता है ग्लाइसैमिक इंडेक्स। अगर शुगर कम रिलीज हो रही है तो ये इंडेक्स लो होगा, ज्यादा तो हाई। चूंकि बादाम का ग्लाइसेमिक इंडेक्स लो होता है, इसलिए यह डायबिटीज के मरीजों की सेहत पर बुरा असर नहीं डालता। बादाम शरीर में शुगर के स्तर को भी संतुलित रखने में मदद करता है। मोटापे के शिकार लोगों के लिए भी यह सेहतमंद स्नैक्स के तौर पर काम आता है।

चमकती रहेगी त्वचा : बादाम विटामिन-ई से भरपूर होता है। इतना ही नहीं, इसमें मैग्नीज, फॉस्फोरस और पोटैशियम जैसे मिनरल्स भी प्रचुर मात्रा में होते हैं।

ये भी हैं फायदे

शरीर में बड़ी आंत का हिस्सा होता है कोलोन। इसी हिस्से के कैंसर को खत्म करने की खूबियां भी बादाम खुद में छुपाए हुए है। बादाम का फाइबर इस कैंसर की रोकथाम में सहायक है। बादाम में जलन और सूजन को कम करने की भी क्षमता होती है। सूजन ज्यादा दिन रहे तो अंगों पर गलत असर डालती है। बादाम इस समस्या में राहत देता है। बादाम में वो फैटी एसिड होता है, जो शरीर से बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करता है और अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाता है। यानी बादाम के नियमित सेवन से दिल को दुरुस्त रखा जा सकता है। इसमें मौजूद मैग्नीज बादाम को एनर्जी बूस्टर भी बनाता है। आंखों के नीचे आने वाली सूजन भी बादाम खाने से कम होती है। गर्भवती महिलाओं के लिए बादाम फायदेमंद होता है। बादाम में फॉलिक एसिड प्रचुर मात्रा में होता है।

स्टफ्ड छोला पराठा

सामग्री

- 2 कप गेहूं का आटा
- 1/2 टीस्पून घी
- नमक- स्वादानुसार
- तेल- आवश्यकतानुसार

स्टफिंग के लिए
- मसाला छोले
- 2 टेबलस्पून बारीक कटा हुआ हरा प्याज
- छोटी चम्मच हींग

विधि

आटे में घी, नमक और 1 चम्मच तेल मिलाकर पानी की सहायता से गूंथ लें। गूंथे हुए आटे को 15-20 मिनट के लिए रख दें। एक बोल में मसाला छोले, हरा प्याज, हींग और अतिरिक्त मसाले डालकर अच्छी तरह मिला लें। अब परांठे की स्टफिंग तैयार है। आटे की लोइयां तैयार कर उन्हें बेल लें। एक चम्मच स्टफिंग उस पर रखने के बाद चारों तरफ से मोड़ कर बंद कर दें। अब इस छोले भरी लोई को चपटा कर थोड़ा सा बड़ा कर ले। बेले हुए परांठे को तवे पर डालकर दोनों तरफ से तेल लगाकर ब्राउन होने तक खस्ता सेकें। स्टफ्ड परांठे को अचार, चटनी, सब्जी, दही व सैलेड के साथ गरमा-गरम सर्व करें।

पत्तागोभी मंचूरियन

सामग्री

■ मैदा- 1/3 कप ■ पत्तागोभी- 3/4 कप (कद्दूकस किया हुआ) ■ गाजर- 3/4 कप (कद्दूकस किया) ■ शिमला मिर्च- 1/2 (कद्दूकस की हुई) हरी मिर्च- 1 (बारीक कटी) ■ काली मिर्च- 1/2 पिंच ■ कॉर्नफ्लोर- 2 टेबलस्पून ■ नमक- स्वादानुसार ■ तेल- डीप फ्राई के लिए **ग्रेवी के लिए** ■ तेल- 2 टेबलस्पून ■ अदरक- 2 टीस्पून (कद्दूकस किया) ■ लहसुन- 1 टेबलस्पून (बारीक कटा) ■ काली मिर्च- 1 टीस्पून ■ कॉर्नफ्लोर- 2 टेबलस्पून ■ सोया सॉस- 2 टेबलस्पून ■ टोमैटो सॉस- 2 टेबलस्पून ■ चिली सॉस- 1/2 टेबलस्पून ■ नमक- स्वादानुसार ■ विनेगर- 1 टीस्पून ■ प्याज- 2 टेबलस्पून (बारीक कटा) ■ हरा धनिया- 1 टेबलस्पून (बारीक कटा)

विधि

एक मिक्सिंग बाउल में कद्दूकस किया हुआ गाजर, पत्तागोभी, शिमला मिर्च, हरी मिर्च, तेल, काली मिर्च पाउडर, मैदा, कॉर्नफ्लोर, नमक और बहुत ही थोड़ा सा पानी डालकर इसे अच्छी तरह मिक्स कर लें। इसके बाद इस मिक्सचर से छोटे-छोटे बॉल्स बना लें। पैन में तेल गरम करें और जब तेज गर्म हो जाए, तब इसमें बॉल्स को डालकर गोल्डेन ब्राउन होने तक डीप फ्राई कर लें और अलग रख दें। ग्रेवी बनाने के लिए एक बाउल में कॉर्नफ्लोर और पानी डालकर पेस्ट बना ले। फिर एक पैन में तेल गर्म करें। जब तेल गर्म हो जाए, तब इसमें अदरक, लहसुन, हरी मिर्च और प्याज डालकर एक मिनट तक भून ले। इसके बाद इसमें सोया सॉस, चिली सॉस और टोमैटो सॉस डालकर एक मिनट तक भून लें। फिर इसमें 2 कप पानी, काली मिर्च और नमक डालकर एक उबाल आने तक पका लें। इसके बाद इसमें कॉर्नफ्लोर का पेस्ट डालकर अच्छे से मिक्स कर लें और धीमी आंच पर एक मिनट तक पका लें। फिर इसमें पत्तागोभी के बॉल्स को डालकर 3 मिनट तक पका लें। इसे सर्विंग बाउल में निकालें और ऊपर से बारीक कटे प्याज और हरा धनिया से गार्निश करके सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-3-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। कार्यक्षेत्र में विवाद बढ़ेंगे। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभांक-5-7९-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग है। शुभांक-2-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग है। शुभांक-2-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचें। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियंत्रण रखे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। पारिवारिक विवाद टाले। शुभांक-1-3-4

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-4-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-3-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): उच्च मनोबल रखकर कार्य करें, सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-4-6

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): आत्मीय जनों से मिलन होगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। शुभांक-6-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-2-4-5

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): शांतिपूर्वक नित्य कार्य करें। संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 5017

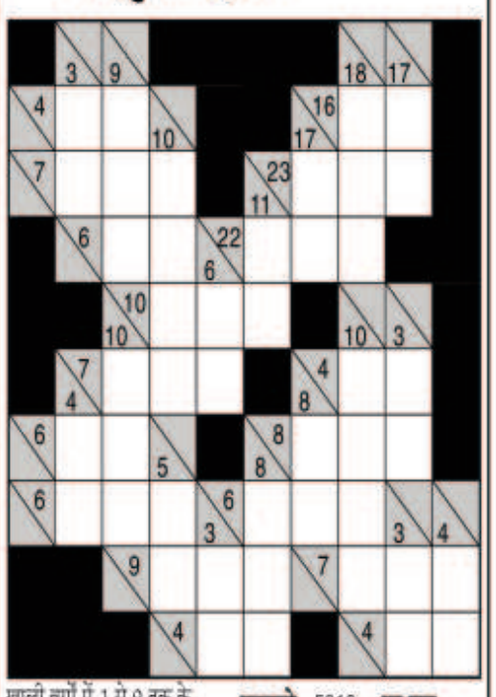

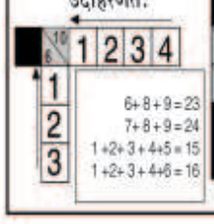

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता।

उदाहरण:

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 5016 का हल

लॉफिंग ज़ोन

बड़े लंबे अरसे बाद दो पुराने पड़ोसी दोस्त मिले। एक-दूसरे का हालचाल पूछने पर मालूम हुआ कि दोनों शादी कर चुके हैं।

पहला उत्सुकतावश बोला- कैसी है तुम्हारी पत्नी?

दूसरे ने चहककर बताया- मेरी पत्नी का क्या कहना यार! वो तो स्वर्ग की अप्सरा है अप्सरा...!

पहला मायूस होकर दबे स्वर में बोला- खुशकिस्मत हो भाई! मेरी तो अभी जिंदा है....।

□ □ □

बहुत दिनों के बाद पुराने मित्रों का मिलन हुआ। रमेश ने पूछा- तुम्हारी उस प्रेमिका का क्या हुआ, जिसके तुम बहुत बड़े आशिक हुआ करते थे, उस जमाने में।

नरेश- कुछ खास नहीं! उसकी माँग इतनी बड़ी थी कि मुझे उससे रिश्ता तोड़ना पड़ा।

रमेश- अच्छा! लेकिन तुम्हारी प्रेमिका की माँग क्या थी?

नरेश- तुमसे शादी करने की।

□ □ □

एक बच्चा तालाब में डूब रहा था। सभी देख रहे थे। किसी में हिम्मत न थी कि बच्चो को बचा लाए। तभी एक साहब ने छलांग लगा दी और बच्चो को बचा लिया। दर्शकों में से एक बोला - बड़ी हिम्मत की आपने।

वह व्यक्ति बोला - हिम्मत की ऐसी-तैसी, पहले यह बताओ, मुझे धक्का किसने दिया था ?

फिल्म वर्ग पहेली- 5017

बायें से दायें:-

१. 'ये जीवन है इस जीवन का यही है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
४. राकेश रोशन, शत्रुघ्न सिन्हा, रीनाराय, रंजीता की फिल्म-४
६. फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम के साथ नायिका कौन थी-२
७. 'ऐसा कोई जिंदगी में' गीत वाली फिल्म-२
८. राजकिरण, जावेद खान की फिल्म-३
१०. 'है ना बोलो' गीत वाली फिल्म-३
१२. सुनीलदत्त, निम्मी की फिल्म-३
१४. 'देख सकता हूँ मैं कुछ' गीत वाली फिल्म-४
१७. अभिमत पटेल, मीरा की फिल्म-३
१९. 'आई जो तेरी याद' गीत वाली फिल्म-२
२०. फिल्म 'तक्षक' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी-२
२१. शाहरुख, प्रियंका की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीतवाली फिल्म-२
२२. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, जैकी, शत्रुघ्न, रवीना, लारा की फिल्म-२
२३. धर्मेन्द्र, जीतेंद्र, हेमा की फिल्म-३
२५. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म-२
२६. फिरोज, संजय, मुमताज की 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'झोंपडी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-३
२९. राजकपूर (डबल रोल), नर्गिस की 'आ जाने बहार' गीतवाली फिल्म-२
३०. 'फूल मांगू ना बहार मांगू' गीत वाली फिल्म-२
३१. कमल हासन, सनी, डिम्पल की फिल्म-३
३२. फिल्म 'तपस्या' की नायिका ?-२
३३. अभिनेत्री 'मनीषा कोइराला' किस देश की रहने वाली है-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'नदिया किनारे आओ' गीत वाली संजय दत्त, आफताब, नंदिता दास की फिल्म-२
२. अमिताभ, अमजद, नीतूसिंह की 'सारा जमाना हसीनों का' गीत वाली फिल्म-३
३. 'दो दिवाने शहर में' गीत वाली अमोल पालेकर, जरीना वहाब की फिल्म-३
४. नसीरूद्दीनशाह, जैकी श्रॉफ, नगमा की 'मैं प्यासी नदिया' गीत वाली फिल्म-२
५. 'लिखे जो खत तुझे वो तेरी' गीत वाली शशिकपूर, आशा पारेख की फिल्म-४
७. मनोजकुमार, आशा पारेख की 'लो आ गई उन की याद' गीत वाली फिल्म-१,३
९. 'दो नैनों में आँसू भरे हैं' गीत वाली जीतेंद्र, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
११. जॉय मुखर्जी, माला, शर्मिलाकी 'वो हसीन दर्द देदो' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'इस से पहले कि याद तू आए' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-४
१५. 'परिचय' में जीतेंद्र की नायिका ?-२
१६. करण दीवान, स्वर्णलता की 'जब तुम ही चले परदेस' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'तन मन धन सब है' गीत वाली संजीवकुमार, लीना की फिल्म-४
२२. गुरुदत्त, शकीला, श्यामा की 'बाबू जी धीरे चलना' गीत वाली फिल्म-२,२
२३. रेखा, दिलीपकुमार, ममता की फिल्म-२
२४. शाहरुख, विवेक मुशरान, जूही की 'अपुन की लाइफ' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'तेरे प्यार का' गीत वाली आफताब शिवदासनी, युक्ता मुखी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 5016

5017

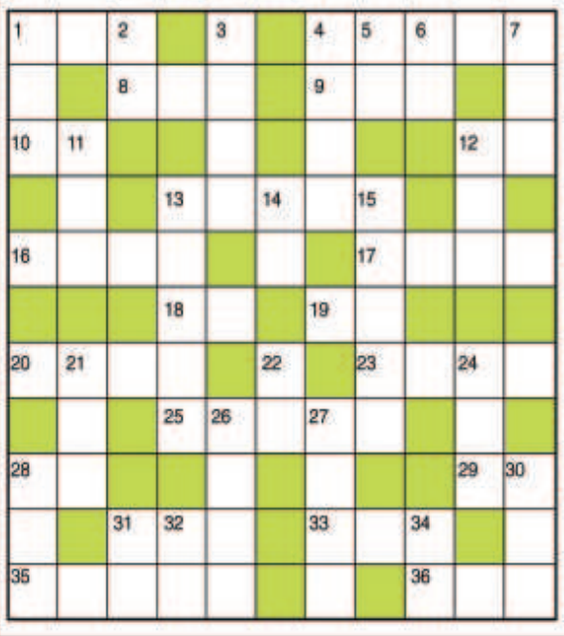

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
■ पहेली का केवल एक ही हल है।

5016

शब्द पहेली - 5017

बाएं से दाएं

1. नियंत्रण, घोड़े की रास-3
4. पानी से सराबोर-5
8. अंधकार-3
9. आक्रमण-3
10. दम, सुट्टा-2
12. समय, वक्त-2
13. कहानी लेखक-5
16. अपराधी, गुंडा-4
17. आलोकित होना-4
18. उद्देश्य, मंजिल-2
19. छाती, सिलना-2
20. जागरण-4
23. सफल, उत्तीर्ण-4
25. पत्नी का नाना-2,3
28. मार्ग, रास्ता-2
29. जरा, थोड़ा-2
31. वैमनस्य-3
33. पाजेब-3
35. जरूरतमंद-3,2
36. गदर, क्रांति-3

ऊपर से नीचे

1. उत्साह-3
2. वोट, राय-2
3. हथियार, गोला-बारूद-4
4. सनसनी, रोमांच-4
5. एक विदेशी शराब-2
6. आफत, मुसीबत-2
7. उपपत्नी-3
11. बलिदानी-3
12. कार्य करने वाला-3
13. सिगरेट का सुट्टा मारना-2,3
14. पानी, जल-2
15. निर्माण करने वाला-5
21. प्रकार-3
22. उम्मीद, आशा-2
24. भिखारी-3
26. ख्यात, प्रसिद्ध-4
27. मदिरापान-4
28. मदद, आराम-3
30. इससे कच्ची शराब बनती है-3
31. उस समय-2
32. नागालैंड की एक जाति-2
34. अधर, होंठ-2

शब्द पहेली - 5016 का हल

अनोखी है श्रीखंड महादेव यात्रा

आस्था से सराबोर हमारे देश में कई धर्मस्थल हैं, इनमें से ऐसे कई धर्मस्थल ऐसे भी हैं जहां धार्मिक यात्राएं की जाती हैं। इन्हीं में से एक यात्रा है, श्रीखंड महादेव यात्रा। यह यात्रा हिमाचल प्रदेश में मौजूद श्रीखंड दर्शन के लिए की जाती है। यह यात्रा वर्ष में एक बार जून-जुलाई माह में होती है। तो जानते हैं इस धार्मिक यात्रा से जुड़ी बातें

- श्रीखंड महादेव हिमाचल के ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क के पास है। स्थानीय लोगों की मानें तो, इस चोटी पर भगवान शिव का वास है।
- यहां मौजूद शिवलिंग की ऊंचाई 72 फीट है। यहां तक पहुंचने के लिए सुंदर घाटियों के बीच से एक ट्रैक है।
- श्रीखंड महादेव के दर्शन के लिए 18570 फीट की ऊंचाई पर चढ़ना होता है।
- श्रीखंड यात्रा के लिए 25 किलोमीटर की सीधी चढाई श्रद्धालुओं के लिए किसी अग्नि परीक्षा से कम नहीं होती है।
- लगभग 18 हजार फुट की ऊंचाई पर स्थित श्रीखंड यात्रा के दौरान सांस लेने के लिए ऑक्सीजन की भी कमी पडती है।

धार्मिक यात्रा का पौराणिक महत्व

पौराणिक मत के अनुसार, एक बार एक दैत्य भस्मासुर ने शिव को तप से प्रसन्न कर वरदान मांगा था कि वह जिस पर भी अपना हाथ रखेगा तो वह भस्म होगा। दैत्य स्वभाव होने के कारण उसने माता पार्वती से शादी करने इच्छा हुई। तब भस्मापुर ने शिव के ऊपर हाथ रखकर उन्हें भस्म करने की योजना बनाई, लेकिन भगवान विष्णु ने मोहिनी रुप रख, उससे नृत्य करने की मंशा जाहिर की और इस तरह नृत्य में ही उसका हाथ उसके सिर पर रखवा दिया। जिससे भस्मासुर जलकर भस्म हो गया। कहते हैं जहां भस्मासुर का अंत हुआ था। श्रीखंड महादेव मंदिर परिसर में वो जगह वर्तमान में भी मौजूद है।

यात्रा के लिए यहां से करते हैं शुरूआत

जून-जुलाई में शुरू होने वाली यात्रा के लिए भक्त हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के रामपुर से कुल्लू जिला और फिर यहां से निरमंड से होते हुए बागीपुल पहुंचते हैं। और यहां से शुरू होती है 30 किमी की आस्था से सराबोर यात्रा।

इस मंत्र का जप करने से नहीं आती अकाल मृत्यु

मौत जिंदगी का अंतिम सत्य है। इस सत्य से आप किनारा नहीं कर सकते हैं। क्योंकि जिस व्यक्ति ने इस पृथ्वी पर जन्म लिया है। उसकी मौत निश्चित है। लेकिन ये मौत अकाल मौत न हो इसके लिए कुछ उपाय करना बेहद जरूरी है। क्योंकि ईश्वर ने आपको एक तय उम्र दी है। जिसमें आप नेक कर्म कर जन्म-जन्मांतर के चक्र से मुक्त होकर मोक्ष प्राप्त कर सकते हैं। इसलिए अकाल मृत्यु से बचने के लिए आप ये उपाय जरूर आजमाएं...

- शिवपुराण के अनुसार जो महाकाल के भक्त होते हैं उनका काल भी कुछ नहीं बिगाड़ सकता।
- अकाल मृत्यु से बचने के लिए जल में तिल और शहद मिलाकर भगवान शिव का अभिषेक करना चाहिए। महामृत्युंजय मंत्र और ऊं नम: शिवाय मंत्र का जप करना चाहिए। यह उपाय शनिवार को करने से अकाल मृत्यु का खतरा टल जाता है।
- शनि देव की शनिवार के दिन पूजन से शनिदेव प्रसन्न होते हैं। इसलिए हर शनिवार के दिन शनिदेव की पूजा करने वाले व्यक्ति से अकाल मौत का खतरा दूर हो जाता है।
- नौ ग्रहों में सबसे क्रूर माने जाने वाले शनिदेव की कृपा पाने के लिए शनिवार को उनके पूजन के अलावा उनसे संबंधित वस्तुओं का दान करना चाहिए। ऐसा करने से शनिदेव की कृपा प्राप्त होती है और अकाल मृत्यु का भय नहीं सताता है।
- भगवान सदैव उन लोगों की रक्षा करते हैं जो उनकी शरण में जाते हैं। इसलिए ईश्वर पर आस्था रखकर इन मृत्यु टालने के उपाय को करने से इसका फायदा ज़रूर मिलता है।

भोजन में शामिल करें ये चीजें
ग्रहों के कोप से मिलेगा छुटकारा

नवग्रहों को प्रसन्न करने के लिए उपासना, यज्ञ और रत्न आदि धारण करने का विधान है। हम लोग जड़ की अपेक्षा सीधे जीव से संबंध स्थापित रखें तो ग्रह अतिशीघ्र प्रसन्न हो सकते हैं। ज्योतिष ग्रंथ जातक पारिजात में बताया गया है, व्यक्ति किस तरह का भोजन करता है, इसका सीधा संबंध ग्रहों से है। यथोचित और शुद्ध भोजन ग्रहण करके भी नवग्रहों को प्रसन्न किया जा सकता है। सूर्य के अशुभ प्रभाव को दूर करने के लिए गेहूं, आम और गुड़ को भोजन में शुमार करें। चन्द्र मन का कारक ग्रह है। इसे अनुकुल करने के लिए गन्ना, चीनी, आईसक्रीम, मिठाईया, दूध और दूध से बने पदार्थ खाएं। बुद्धि के कारक बुद्ध ग्रह को शुभ करने के लिए मटर, ज्वार, मूंग, हरि सब्जियां आहार में शामिल करें। धन, पुत्र और विद्या के दाता बृहस्पति को फेवर में करने के लिए चने और चने से संबंधित चीजें, केला, हल्दी, सेंधा नमक, पीले रंग की दालें और फल खाएं। शुक्र के निर्बल या अशुभ होने पर जातक की अनैतिक कार्यों में प्रवृत्ति होती है, समाज में मान-सम्मान नहीं मिलता तथा अनेक सुखों का अभाव रहता है। जीवन में मनचाहा प्रेम और सौंदर्य शुक्र ग्रह की बदौलत ही प्राप्त होता है। ये भोज्य पदार्थ खाने से ये अनुकुल प्रभाव देने लगते हैं त्रिफला, दालचीनी, कमलगट्टे, सफेद शलगम, मूली, मिश्री। शनि की टेढ़ी नजर से बचने के लिए खाने में तिल, उड़द, मूंगफली का तेल, अचार, लौंग, तेज पत्ता ग्रहण करें। उड़द, तिल और सरसों राहू-केतू का अशुभ प्रभाव दूर करने में सहायक है।

कैसा होना चाहिए मंदिर जाते समय पहनावा

जब भी किसी भी धर्मस्थल पर जाते हैं तो कपड़े ऐसे होने चाहिए जो शालीन हों और पहनने में सहज हों। क्योंकि जब मंदिर में भगवान के सामने सिर झुकाते हैं या खुदा के सामने सजदा करते हैं तो शालीन और सहज कपड़े पहने होने पर किसी प्रकार की समस्या नहीं होती। और यदि आप काफी तंग कपड़े पहने होते हैं तो इस तरह की समस्या आना आम है। ऐसे में भक्त का सारा ध्यान अपने वस्त्रों पर होता है। भगवान पर नहीं। याना आस्था और मनोकामना के लिए धर्म स्थल पर आना पूरी तरह से व्यर्थ हो जाता है। पौराणिक ग्रंथों में उल्लेख मिलता है कि प्राचीन काल में ऋषि-मुनि, राजा-महाराजा और आम आदमी धोती पहना करते थे। यह काफी सहज होती है। ऐसे में जब वो मंदिर जाते या फिर यज्ञ हवन करते तो उन्हें उठने-बैठने और चलने में किसी तरह की परेशानी नहीं होती थी। और उनका पूरा ध्यान ईश्वर की आराधना में रहता था। हालांकि यह परंपरा आज भी जारी है। इसलिए देश के भव्य मंदिरों में पूजा अर्चना करते समय पारंपरिक वस्त्रों को ही पहना जाता है। इन वस्त्रों का रंग अमूमन पीला और लाल होता है। वह इसीलिए कि पीला रंग सकारात्मकता को दर्शाता है तो लाल रंग स्वयं देवी का का रंग है। जो अपना आध्यात्मिक महत्व रखता है।

गौ परिक्रमा से मिलते हैं ढेरों लाभ

विष्णुधर्मोत्तरपुराण के अनुसार व्यक्ति के किसी भी अनिष्ट की निवृत्ति के लिए गौमाता के पूजन का विधान किया गया है। अनेक तरह के अरिष्टकारी भूचर, खेचर और जलचर आदि दुर्योग उस व्यक्ति को छू भी नहीं सकते जो नित्य गौमाता की सेवा करता है या फिर रोज गौमाता के लिए चारे या रोटी का दान करता है। तिल, जौ व गुड़ का बना लड्डू नौ गायों को खिलाने से व परिक्रमा करने से संतान प्राप्ति एवं मनोवांछित फल मिलता है। पति-पत्नी में आपसी मनमुटाव या क्लेश रहता हो तो दोनों गठजोड़े से गऊमाता की परिक्रमा करें एवं घर से रोटी बनाकर तिल के तेल से चुपड़ कर गुड़ के साथ नौ गायों को खिलाएं। घर में सुख-शांति बनी रहेगी। गर्भवती महिलाएं नौ माह में प्रत्येक अमावस्या व पूर्णिमा पर परिक्रमा कर लें तो सामान्य डिलीवरी से संतान होगी। प्रतिदिन भोजन करने से पहले एक रोटी व गुड़ अपने हाथ से देसी गाय को खिलाने से एवं गाय के मुंह से लेकर पूंछ तक हाथ फेर कर अपने शरीर पर हाथ फेरने से शरीर का संतुलन बना रहता है। गाय को जौ खिलाएं और उसके गोबर में से जौ निकले, उसे धोकर खीर बना कर एक चम्मच गाय का घी डालकर गर्भवती महिलाएं अंतिम माह में खाएं। यह साधारण डिलीवरी में सहायक है। जिन बच्चों की शादी में अनावश्यक विलम्ब हो रहा हो, वे स्वयं विधिपूर्वक गाय की पूजा करके नौ रोटी व गुड़ खिलाएं जिससे मनवांछित फल प्राप्त होगा। गाय के आगे वाले पांव पर कुमकुम, अक्षत, पुष्प, जल, दूध, गुड़ से पूजन करने से घर में सुख-शांति व मोक्ष की प्राप्ति होती है। जिनके बच्चे कहने पर नहीं चलते हैं, मनमानी करते हों, ऐसे बच्चों के माता-पिता गौ माता की नौ परिक्रमा करें। बच्चे को एक बूंद गौमूत्र व गंगाजल, दूध या चाय में मिलाकर पिलाएं। बालक आज्ञाकारी होगा। आज्ञाकारी एवं मनवांछित संतान प्राप्ति के लिए पति एवं पत्नी दोनों गर्भधारण करने के पश्चात बछिया को दूध पिलाती हुई गाय की परिक्रमा करें। गौ धूलि बेला के समय गौ माता की परिक्रमा करने से भी समस्याओं का अंत होता है।

हनुमानजी को प्रसन्न करने के अचूक उपाय

एक बार शनिदेव ने हनुमान जी को अपने साथ युद्ध करने के लिए ललकारा। हनुमान जी उनसे युद्ध करना नहीं करना चाहते थे, तब उन्होंने शनि को अपनी पूंछ से बांधकर ब्रह्मांड के चक्कर लगवा दिए। शनिदेव का शरीर पूरी तरह से छलनी हो गया। उनके शरीर से रक्त की धार बह रही थी। वह हनुमान से खुद को छोड़ने का आग्रह करने लगे। हनुमानजी ने उन्हें एक शर्त पर छोड़ा कि वो उनके भक्तों को कभी परेशान नहीं करेंगे। शनिदेव उनकी इस बात को मान गए।

- मंगलवार के दिन लाल वस्त्र पहने हनुमान जी को लाल रंग बेहद पसंद है।
- हर मंगलवार को हनुमान जी को बनारसी पान अर्पित करें। इससे हनुमान जी आपसे प्रसन्न रहेंगे।
- हनुमान जी को खुश रखने के लिए गरीबो की मदद करें, हर किसी के साथ अच्छा व्यवहार रखें और अपने माता पिता का हमेशा सम्मान करें।
- हनुमान जी की पूजा करते वक्त हनुमान जी को सिंदूर चढाएं इससे हनुमान जी आपसे प्रसन्न रहेंगे।
- हनुमान चालीसा में वर्णित है कि, किसी अन्य देव की पूजा करने से शायद आपको फल मिलने में थोड़ा समय लग जाए लेकिन हनुमान की अराधना तुरंत फल देती है।
- मंगलवार के दिन राम मंदिर में जाएं। हनुमान जी के मस्तक का सिंदूर दाहिने हाथ के अंगूठे से लेकर सीता माता के श्री रूप के श्री चरणों में लगा दें। अपनी मनोकामना पूरी करने के लिए प्रार्थना करें।
- मंगलवार की सुबह स्नान करने के बाद बड़ के पेड़ का एक पत्ता तोड़ें और इसे साफ पानी से धो लें। अब इस पत्ते को कुछ देर हनुमानजी के सामने रखें। इसके बाद इस पर केसर से श्रीराम लिखें। अब इस पत्ते को अपने पर्स में रख लें। ऐसा माना जाता है कि इससे पर्स में पैसे बने रहते हैं।

'हर कहानी का अच्छा अंत नहीं होता', रोहित शर्मा के संन्यास की अटकलों के बीच पूर्व दिग्गज के बयान ने मचाई सनसनी

नई दिल्ली। (एजें) २० जुलाई : रोहित शर्मा के संन्यास की अटकलों के बीच भारत के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने हैरान करने वाला बयान दिया है। कार्तिक का कहना है कि चयनकर्ताओं को रोहित के साथ साफ-साफ बात करनी चाहिए। उनका कहना है कि परियों की हर कहानी का अच्छा अंत नहीं होता। गौरतलब हो कि रोहित वर्ल्ड कप २०२७ में खेलना चाहते हैं और वनडे विश्व कप जीतने का उनका सपना है।रोहित ने कई मौकों पर कहा है कि वे वनडे वर्ल्ड कप जीतना चाहते हैं। ऐसे में इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे वनडे मैच के बाद जैसे ही रोहित फ्लॉप हुए, उनको लेकर खबरें सामने आई कि उनका लॉर्ड्स में खेला जाने वाला मैच करियर का आखिरी मुकाबला साबित हो सकता है। इसके बाद बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने इस अफवाह बताया। हालांकि, अभी भी हिटमैन के विश्व कप में खेलने को लेकर संदेह है और कार्तिक ने प्रतिक्रिया दी है। विजडन के साथ पॉडकास्ट में बात करते हुए कार्तिक ने कहा, 'मुझे लगता है कि इसके लिए स्पष्ट बातचीत बहुत जरूरी है, जो आसान नहीं है। आपके पास दूसरे खिलाडी हैं, जो हर गेम में अपनी छाप छोड.रहे हैं। वे जिस भी टूर्नामेंट में जाते हैं, प्रदर्शन करते हैं और उन्हें बाहर करना आसान नहीं होगा। ये सबकुछ होने के बाद कुछ सीनियर्स इसे एक तरह से खत्म करना चाहेंगे। मैं चाहता हूं कि उन्हें एक मौका दिया जाए क्योंकि उन्होंने देश के लिए बहुत कुछ हासिल किया है।'
पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ने आगे कहा, 'ये भी कहना सही है कि ये सब हासिल करना आसान काम नहीं है। कभी-कभी परियों की कहानियों का अंत अच्छा नहीं होता है। भारत में इस समय प्लेइंग-११ में शामिल होने वाले खिलाडियों की संख्या बहुत है। क्रिकेट खेलने वाले देशों में ये सबसे अधिक है। ऐसे में हर खिलाडी पर दबाव होता है। देश के लिए फिलहाल खेलना बहुत मुश्किल है। एक सेलेक्टर के तौर पर आपका काम आसान नहीं होने वाला है।'रोहित का इंग्लैंड के दौरे पर खराब प्रदर्शन देखने को मिला। पहले दो वनडे मैच में उनके बल्ले से बडा स्कोर नहीं आया। दूसरे मैच में वे संघर्ष करते हुए दिखे, जहां ४७ गेंदों पर २६ रनों की पारी खेली। इसके बाद उनको लेकर खबरें सामने आने लगी थी।

धुबरी में ऑनलाइन जुए के अड्डे का भंडाफोड! होटल के कमरे में पुलिस की छापेमारी, चार युवक गिरफ्तार

सलीम शेख, धुबरी, २० जुलाई: धुबरी में अवैध ऑनलाइन गेमिंग और सट्टेबाजी गिरोह के खिलाफ चलाए गए एक विशेष अभियान में पुलिस को बडी सफलता मिली है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, धुबरी शहर के एन.एस. रोड स्थित अफरीन होटल के कमरा नंबर ५७ में पुलिस की एक विशेष टीम ने छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान ऑनलाइन जुआ और सट्टेबाजी नेटवर्क से जुडे.होने के आरोप में चार युवकों को गिरफ्तार किया गया।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान धुबरी के कलापाकानी द्वितीय खंड निवासी हारान अली, दक्षिण सालमारा के बालूरघाट निवासी अब्दुल मतीन, धुबरी के कलापाकानी द्वितीय खंड निवासी होसेन अली तथा उस्मान गनी के रूप में हुई है।पुलिस के अनुसार, ये युवक होटल के कमरे से अवैध रूप से ऑनलाइन गेमिंग और सट्टेबाजी का नेटवर्क संचालित कर रहे थे। छापेमारी के दौरान पुलिस ने ६ मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। इस संबंध में पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

बिलासीपाडा में १ करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की ७,००० याबा टैबलेट बरामद; एक ड्रग तस्कर गिरफ्तार-

उस्मान गोनी, बिलासीपाडा, २० जुलाई: नशीले पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने बिलासीपाडा के सुवापाता पार्ट-१ गांव में छापेमारी कर ७,००० याबा टैबलेट बरामद किए हैं। जब्त किए गए मादक पदार्थों की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत १ करोड.रुपये से अधिक बताई जा रही है । यह कार्रवाई सुवापाता पार्ट-१ निवासी हनिफ अली के घर पर की गई। छापेमारी के दौरान पुलिस ने छयगांव के गैराईमारी निवासी कथित ड्रग तस्कर आलम अली को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, आलम अली याबा टैबलेट की खेप की आपूर्ति और बिक्री के उद्देश्य से सुवापाता पहुंचा था। बिलासीपाडा के को-डिस्ट्रिक्ट पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में शालकोचा पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चलाकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि, अंधेरे का फायदा उठाकर उसका एक अन्य संदिग्ध साथी मौके से फरार होने में सफल रहा। फरार आरोपी की तलाश में पुलिस ने व्यापक तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। बिलासीपाडा में लगातार चल रहे नशा विरोधी अभियानों के बीच यह बरामदगी एक बडी सफलता मानी जा रही है। पुलिस पूरे नेटवर्क का पता लगाने, जब्त खेप के स्रोत का पता लगाने तथा इस गिरोह से जुडे.अन्य लोगों की पहचान के लिए आगे की जांच कर रही है।

सिलचर-कलाईन रोड की हालत चलने लायक नहीं रही

खैरुल आलम मजूमदार, २० जुलाई : सिलचर-कलाईन रोड की हालत चलने लायक नहीं रही है। पब्लिक रोड डिपार्टमेंट ने कई सालों से रोड की मरम्मत नहीं की है। भारी बारिश के बाद रोड फिसलन भरी हो जाती है। कलाईन, ज्वालाग्राम, टिंगरी, बुरुंगा, भंगारपार ,मोहनपुर, अमताला और मसिमपुर इलाकों में रोड की हालत बहुत खराब है, जिससे पैदल चलने वालों को काफी दिक्कत होती है। सूखे मौसम में धूल के गुबार उडते हैं तो बारिश के मौसम में कीचड। पब्लिक रोड पर चलना मुश्किल हो गया है। गाडी चलाना तो मुश्किल हो ही गया है, आम लोगों के लिए पैदल चलना भी मुश्किल हो रहा है। रोड पर कई जगहों पर पिच उखड.गई है, जिससे पैदल चलने वालों का चलना मुश्किल हो गया है। कुछ साल पहले रोड की काली परत उखड.गई थी, जिससे बडे-बडे.गड्ढे हो गए थे। कलाइन, भाटपाडा, पैकान, जलालपुर, गुमरा, कुरकुरी, मोहनपुर, भंगारपार, बुरुंगा, बरपुआ इलाकों के लोग सिलचर सदर शहर से संपर्क करते समय असहाय स्थिति का सामना कर रहे हैं। उन्हें काम के लिए सिलचर डीसी ऑफिस, सिलचर सिविल, सिलचर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, सिलचर कोर्ट, हेड पोस्ट ऑफिस, एसपी ऑफिस, स्कूल कॉलेज सहित विभिन्न विभागों में जाने के लिए बडी मुश्किल से खराब सडक़ों को पार करना पडता है। जर्जर सडक़ों से मरते हुए मरीज को लेकर डॉक्टर के पास जाना सबसे बडे. इलाके के लोगों के लिए दुख की बात हो गई है। प्रसव पीडा से जूझ रही महिलाओं के लिए जाना दूभर हो गया है। इस क्षेत्र के लोगों की शिकायत है कि विभागीय कर्मचारियों की उदासीनता के कारण सडक़ की हालत खराब हो गई है। लोगों की शिकायत है कि लोक निर्माण विभाग के कर्मचारियों की उदासीनता के कारण सडक़ लोगों के आवागमन के लिए अनुपयुक्त हो गई है। सडक़ पर धूल के गुबार और गड्ढों के कारण स्कूल-कॉलेज के छात्र-छात्राओं, पैदल यात्रियों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड.रहा है। इलाके की आम जनता ने सडक़ की जल्द मरम्मत के लिए सिलचर के चझ और सिलचर, बरखाला और काठीगढ.के चडअ से तुरंत दखल देने की मांग की है।

ब्रेकथ्रू साइंस सोसाइटी की ओर से एकदिवसीय ग्रीष्मकालीन विज्ञान शिविर एवं कार्यशाला आयोजित

रानू दत्त शिलचर, २० जुलाई। ब्रेकथ्रू साइंस सोसाइटी, शिलचर चैप्टर के तत्वावधान में रविवार को अभयाचरण भट्टाचार्य पाठशाला में स्कूली छात्र-छात्राओं के लिए एकदिवसीय ग्रीष्मकालीन विज्ञान शिविर एवं विज्ञान कार्यशाला का आयोजन किया गया।
कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, जिज्ञासा, तार्किक दृष्टिकोण तथा प्रयोगात्मक रूप से विज्ञान सीखने के प्रति रुचि विकसित करना था। कार्यशाला के दौरान विभिन्न वैज्ञानिक प्रयोगों, अवलोकनात्मक गतिविधियों और सहभागितापूर्ण शिक्षण पद्धतियों के माध्यम से विद्यार्थियों को विज्ञान के प्रति प्रेरित किया गया।कार्यशाला का संचालन ब्रेकथ्रू साइंस सोसाइटी, शिलचर चैप्टर की संयोजक अनन्या दत्त ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में त्रिपुरा के एमबीबी कॉलेज के गेस्ट फैकल्टी एवं ब्रेकथ्रू साइंस सोसाइटी, त्रिपुरा चैप्टर के सचिव तिलक चक्रवर्ती तथा त्रिपुरा विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग के वरिष्ठ तकनीकी सहायक एवं ब्रेकथ्रू साइंस सोसाइटी, त्रिपुरा चैप्टर के कार्यकारी सदस्य डॉ. प्रणब धर उपस्थित रहे।कार्यक्रम में शिलचर के नरसिंग उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग के सेवानिवृत्त शिक्षक कृषेंदु राय तथा कछार कॉलेज, शिलचर के भौतिकी विभाग के सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. अजय राय भी मौजूद थे। इसके अलावा शिक्षक मणि दे, देबोजीत आचार्य, मनोज कालवार, रिपन चौधरी सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।ब्रेकथ्रू साइंस सोसाइटी की ओर से अनन्या दत्त के साथ साबिर अहमद ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की। कार्यशाला के सुचारु संचालन में स्वयंसेवक के रूप में तुतन दास और स्वरूप मालाकार ने सहयोग किया। कार्यक्रम में करीब ७० छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और अभिभावकों ने भाग लिया। प्रयोगों और गतिविधियों पर आधारित इस कार्यशाला को लेकर विद्यार्थियों में विशेष उत्साह देखा गया। कार्यक्रम के समापन पर आयोजकों ने भविष्य में भी इस प्रकार के विज्ञान आधारित कार्यक्रमों को और व्यापक स्तर पर आयोजित करने का संकल्प व्यक्त किया।

कोकराझार में चोरों का आतंक: रेलवे स्टेशन मास्टर के घर को बनाया निशाना

कोकराझार २० जुलाई : असम के कोकराझार शहर में चोरी की घटनाओं में हुई अचानक वृद्धि ने स्थानीय निवासियों में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है। शहर में चोरों का दुस्साहस इस कदर बढ़ गया है कि अब वे सरकारी अधिकारियों के आवासों को भी अपना निशाना बना रहे हैं। ताजा मामला कोकराझार रेलवे स्टेशन रोड का है, जहाँ स्टेशन मास्टर चंदन कुमार के आवास में चोरों ने धावा बोल दिया। चोरों ने बडी ही चालाकी से खिडक़ी के जरिए घर के दरवाजे का हुक खोला और अंदर प्रवेश किया। इसके बाद घर का कीमती सामान खंगालकर चंपत हो गए। पीडति स्टेशन मास्टर के अनुसार, चोरों ने घर से लाखों के आभूषण और नकद ७,००० रुपये लूट लिए। अनुमान के मुताबिक, चोरी हुए गहनों और सामान की कुल कीमत ३ से ४ लाख रुपये से अधिक आंकी गई है। इसके अतिरिक्त, चोरों ने घर से दो मोबाइल फोन भी चुरा लिए हैं। कोकराझार में चोरी की यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे कुछ दिन पहले ही शहर के सुभाषपल्ली इलाके में एक व्यवसायी के घर को निशाना बनाते हुए चोरों ने लगभग ७ लाख रुपये के आभूषण और २५,००० रुपये नकद उडा लिए थे। वहीं, स्टेशन रोड पर ही एक महिला के गले से चेन झपटने की घटना भी सामने आई थी।?लगातार हो रही इन चोरियों ने कोकराझार पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोग अब शहर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंतित हैं और पुलिस से इन घटनाओं पर रोक लगाने हेतु तत्काल सख्त कदम उठाने की मांग कर रहे हैं।

ऊपरी असम में बाढ.का कहर, मंत्री बिमल बोरा ने लिया स्थिति का जायजा

गुवाहाटी, २० जुलाई (हि.स.)। लगातार हो रही बारिश के कारण उपरी असम में बाढ.की स्थिति गंभीर हो गई है। शिवसागर, जोरहाट, चराइदेव, नाजिरा, आमगुडी और सोनारी सहित कई इलाके जलमग्न हैं। जाजी और दिखौ नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है।मंत्री बिमल बोरा ने शिवसागर जिले के चेरेकापारा का दौरा कर बाढ.की स्थिति का जायजा लिया और प्रभावित लोगों से मुलाकात की। उन्होंने राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा भी की।जोरहाट में भोगदोई नदी ने विकराल रूप धारण कर लिया है। कई स्थानों पर तटबंध टूट गए हैं और सडक़ों को भी भारी नुकसान पहुंचा है। बाढ.प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड.रहा है।इस बीच, सिमलुगुडी के बाद नाजिरा-मेजेंगा रेलखंड पर भी बाढ.का गंभीर असर पडा है। तेज बहाव के कारण रेलवे तटबंध का लगभग आधा हिस्सा कट चुका है। यदि कटाव जारी रहा तो किसी भी समय रेल लाइन दिखौ नदी में समा सकती है। रेलवे प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।वहीं दूसरी ओर जोरहाट जिलांतर्गत टियक इलाके में बाढ.के चलते किसी भी समय उपरी एवं निचले असम का यातायात संपर्क टूट सकता है। टियक-काकजान नदी के बढे.जलस्तर ने गंभीर संकट पैदा कर दिया है। राष्ट्रीय राजमार्ग ७१५ पर पानी भर गया है। काकजान और द गांव के बीच बने फ्लाई ओवर ब्रिज के दोनों से उप मार्गों पर यातायात पूरी तरह से बंद हो गया है।इस बीच बादुली पोखरी, दुलिया गांव में राष्ट्रीय राजमार्ग के उपर से पानी बह रहा है। पानी में डूबे राष्ट्रीय राजमार्ग से होकर वाहन उपरी एवं निचले असम की ओर आवाजाही कर रहे हैं। टियक और काकजान के ३० से ३५ राजस्व गांवों में बाढ.का पानी प्रवेश कर चुका है। स्थानीय लोगों के अनुसार इस आपदा के बीच अंतिम सूचना मिलने तक जिला प्रशासन के लोग मौके पर नहीं पहुंचे थे। वहीं पानी में डूबे राष्ट्रीय राजमार्ग से होकर हल्के वाहन तो पार हो रहे हैं, लेकिन अन्य वाहन पानी के बीच फंसे हुए हैं।मिली जानकारी के अनुसार बाढ.के चलते कई लोग अपने घरों और निजी स्थानों पर फंसे हुए हैं। स्थानीय लोग भी बचाव अभियान में जुटे हुए हैं। दूसरी ओर फोर लेन वाली सडक़ की विसंगति की वजह से ऐसी स्थिति उत्पन्न होने का स्थानीय लोग आरोप लगा रहे हैं।

जैन आर्यिका संघ का श्री दिगम्बर जैन मन्दिर मेहरपुर में मंगल प्रवेश

जैन समाज के लिए अत्यंत हर्ष और श्रद्धा का विषय है कि परम पूज्य आर्यिका श्री १०५ गरीमामति और गम्भीरमति माताजी संसंघ का शनिवार १८ जुलाई, २०२६ को प्रातः ८.३० बजे श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, मेहरपुर सिलचर भव्य गाजे-बाजे, जयघोष एवं शोभायात्रा के साथ पावन चतुमार्स हेतु दिगम्बर जैन मन्दिर, सिलचर में मंगल प्रवेश सम्पन्न हुआ। हम ऐतिहासिक एवं मंगलमय प्रवेश के साक्षी हैं यह हमारे लिए गौरव का दिन है। समस्त उपस्थित श्रद्धालुओं ने जयघोष मंगलगीत एंव भक्ति भाव के साथ आर्यिका संघ का हार्दिक स्वागत किया। पूरा वातावरण धर्ममय और भक्तिमय हो चला इस अवसर पर पूज्य माताजी ने कहा कि चातुर्मास, आत्मचिंतन, आत्मसंयम और स्वाध्याय, तप, तयण और आत्मकल्याण का अनुपम अवसर है। यह केवल धार्मिक अनुष्ठानों का नहीं आपितु अपने विचारो व्यवहार और जीवन को श्रेष्ठता की ओर ले जाने का सुअवसर है। उन्होने सभी श्रद्धालुओं से आग्रह किया वे दश अवधि में नियमित रूपसे प्रवचनों का लाभ ले, स्वाध्याय करें, अहिंसा, सत्य, क्षमा और सदाचार को जीवन में अपनाएँ तथा धर्म को व्यवहार में उतारें।चातुर्मास के दौरान प्रतिदिन प्रवचन, सामाजिक, स्वाध्याय, पूजा, तप ध्यान तथा विभिन धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में समाज के सभी वर्गो के विशेष कर युवा और बच्चों की सक्रिय भूमिका रहने को सुनिश्चित करने के लिए आह्वान किया गया। जैन समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि चातुर्मास का उद्देश्य व्यक्तिगत साधना नहीं बल्की समाज में नैतिक मूल्यों, सद्भाव, करुणा और आध्यात्मिक चेतना का प्रसार करना है। अन्त में सभी श्रद्धालुओं ने चातुर्मास के सभी धार्मिक कार्यक्रमों में अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर गुरु माता के सान्निध्य का लाभ लेने का पवित्र अवसर माना है और सभी को भाग लेने के लिए आह्वान किया है।

असम विधानसभा के स्पीकर ने डिब्रूगढ. में नए विधानसभा कॉम्प्लेक्स की साइट का दौरा किया; विधानसभा सीटों की संख्या बढ़ने का संकेत दिया

डिब्रूगढ :अर्नब शर्मा २० जुलाई। असम विधानसभा के स्पीकर रंजीत दास ने सोमवार को डिब्रूगढ.के खानिकर में प्रस्तावित नए असम विधानसभा कॉम्प्लेक्स की निर्माण साइट का दौरा किया और इस बडे.प्रोजेक्ट के मास्टर प्लान की समीक्षा की। यह प्रोजेक्ट राज्य की प्रस्तावित दूसरी राजधानी का एक अहम हिस्सा है।निरीक्षण के दौरान, स्पीकर ने कहा कि प्रस्तावित विधानसभा भवन को २०० सदस्यों की बैठने की क्षमता के साथ डिजाइन किया जा रहा है, ताकि भविष्य में असम में विधानसभा क्षेत्रों की संख्या बढ़ने की संभावना को ध्यान में रखा जा सके। अभी असम विधानसभा में १२६ चुने हुए सदस्य हैं।असम सरकार ने डिब्रूगढ.में राज्य की दूसरी राजधानी बनाने को पहले ही मंजूरी दे दी है और नए विधानसभा कॉम्प्लेक्स के निर्माण के लिए लगभग २८४ करोड. रुपये मंजूर किए हैं।स्टेट कैपिटल रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी के चेयरमैन और डिब्रूगढ. के विधायक प्रशांत फुकन, जिला कमिश्नर बिक्रम कैरी, वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों और पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट के इंजीनियरों के साथ, दास ने आर्किटेक्चरल प्लान और पूरे प्रोजेक्ट के डिजाइन की समीक्षा की।स्पीकर ने यह भी कहा कि १२६ विधायकों के आवासों के शुरुआती प्रस्ताव में बदलाव किया जा रहा है, और भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए इनकी संख्या बढ़ाकर लगभग १७५ करने की सिफारिश की गई है।स्थानीय पहचान को बनाए रखने के महत्व पर जोर देते हुए, दास ने कहा कि विधानसभा कॉम्प्लेक्स को डिब्रूगढ.की विरासत, संस्कृति और आर्किटेक्चरल परंपराओं के अनुरूप विकसित किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट में डिब्रूगढ.की मशहूर हस्तियों के सम्मान के लिए खास जगहें भी होंगी और इसे राज्य के विधायी केंद्र के साथ-साथ एक बडे.पर्यटक आकर्षण के रूप में भी विकसित किया जाएगा।प्रोजेक्ट के समय पर पूरा होने का भरोसा जताते हुए, दास ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अगले तीन सालों में, मौजूदा १६वीं असम विधानसभा के कार्यकाल के दौरान, विधानसभा का एक सत्र डिब्रूगढ.के नए कॉम्प्लेक्स में होगा। यह शहर के असम की दूसरी राजधानी के रूप में उभरने की दिशा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगा।

सोशल मीडिया पर छाया Love Spray क्या दो फुहारों से बढ़ता है प्यार या सिर्फ हाइप

नई दिल्ली.(एजें) २० जुलाई : सोशल मीडिया पर इन दिनों एक खास नेजल स्प्रे तेजी से चर्चा का विषय बना हुआ है. ऑक्सीटोसिन नेजल स्प्रे को इंटरनेट पर कई यूजर्स 'लव स्प्रे' और 'कामदेव का तीर' जैसे नामों से प्रचारित कर रहे हैं. दावा किया जा रहा है कि इस स्प्रे की सिर्फ दो फुहारें गुस्सा कम कर सकती हैं, भरोसा बढा सकती हैं और रिश्तों में फिर से प्यार जगा सकती हैं. हालांकि वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों का कहना है कि इस दावे को उतनी सरलता से स्वीकार नहीं किया जा सकता, क्योंकि उपलब्ध शोध इसके प्रभाव को लेकर मिश्रित परिणाम दिखाते हैं.ऑक्सीटोसिन एक ऐसा हार्मोन है जिसे आमतौर पर 'लव हार्मोन' या 'कडल हार्मोन' कहा जाता है. यह शरीर में स्वाभाविक रूप से तब निकलता है जब मां अपने शिशु को स्तनपान कराती है, जब लोग एक-दूसरे को गले लगाते हैं, किसी प्रिय व्यक्ति की आंखों में देखते हैं या फिर अपने पालतू जानवर के साथ समय बिताते हैं. वैज्ञानिकों के अनुसार यह हार्मोन लोगों के बीच विश्वास बढाने, सहानुभूति विकसित करने और सामाजिक संबंधों को मजबूत बनाने में भूमिका निभाता है.ऑक्सीटोसिन नेजल स्प्रे को लेकर कहा जाता है कि इसे नाक के जरिए लेने पर यह सामान्य दवाओं की तरह पाचन तंत्र से होकर नहीं गुजरता, बल्कि सीधे मस्तिष्क तक पहुंचता है. इसी वजह से इसका प्रभाव लगभग ३० से ४० मिनट के भीतर महसूस किया जा सकता है. इस तकनीक पर विदेशों में कई क्लीनिकल ट्रायल किए जा चुके हैं, लेकिन अब तक सामने आए नतीजे एक जैसे नहीं रहे हैं. कुछ अध्ययनों में इसके सकारात्मक प्रभाव दिखाई दिए हैं, जबकि कुछ में इसकी सीमाएं भी सामने आई हैं.रिश्तों से जुडे.उपचार यानी कपल थेरेपी में ऑक्सीटोसिन स्प्रे का उपयोग कुछ शोधों में किया गया है. इन अध्ययनों के अनुसार स्प्रे लेने के बाद कई लोगों ने बहस के दौरान कम आक्रामक व्यवहार किया और साथी की बात को अधिक ध्यान से सुना. वैज्ञानिकों का मानना है कि यह हार्मोन आपसी संवाद को बेहतर बनाने में सीमित स्तर पर मदद कर सकता है.कुछ शोध यह भी बताते हैं कि सोशल एंग्जायटी या ऑटिज्म से जुडे.मामलों में ऑक्सीटोसिन लोगों को दूसरों की भावनाओं को समझने में सहायता पहुंचा सकता है. वहीं चिकित्सा क्षेत्र में डॉक्टर लंबे समय से ऑक्सीटोसिन का उपयोग प्रसव के दौरान और स्तनपान में सहायता के लिए करते रहे हैं. इन चिकित्सीय उपयोगों का संबंध अस्पतालों में नियंत्रित परिस्थितियों से है.हालांकि विशेषज्ञ स्पष्ट करते हैं कि ऑक्सीटोसिन स्प्रे किसी भी रिश्ते की सभी समस्याओं का समाधान नहीं है. इसका प्रभाव केवल लगभग दो घंटे तक रहने की बात कही जाती है. इसके बाद शरीर सामान्य स्थिति में लौट आता है. यदि किसी रिश्ते में विश्वास पूरी तरह टूट चुका है या गंभीर मतभेद हैं, तो केवल यह स्प्रे उन्हें ठीक नहीं कर सकता. कुछ मामलों में यह व्यक्ति की पहले से मौजूद पक्षपातपूर्ण सोच को और अधिक बढा भी सकता है.इस स्प्रे के संभावित दुष्प्रभावों को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता. रिपोर्टों के अनुसार इसके उपयोग से नाक में जलन, सिरदर्द, मूड में बदलाव और रक्तचाप से जुडी समस्याएं हो सकती हैं. यही कारण है कि विशेषज्ञ बिना चिकित्सकीय सलाह के इसका उपयोग करने से बचने की सलाह देते हैं.भारत में इस स्प्रे की उपलब्धता को लेकर भी कई तरह की चर्चाएं हो रही हैं. मनोचिकित्सक डॉ. अनिर्बान बसु के अनुसार फिलहाल भारत में सीडीएससीओ (उउ्‌ढउज) द्वारा किसी भी 'रिलेशनशिप स्प्रे' को मंजूरी नहीं दी गई है. उन्होंने कहा कि ऑनलाइन बिक रहे ऐसे उत्पादों की गुणवत्ता संदिग्ध हो सकती है और डॉक्टर की सलाह के बिना उनका उपयोग नहीं करना चाहिए. रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका में एफडीए (ऋऊअ) और यूरोप में भी ऑक्सीटोसिन नेजल स्प्रे का उपयोग अभी केवल शोध कार्यों और कुछ विशेष चिकित्सीय स्थितियों तक सीमित है. इसे सामान्य तौर पर रिश्तों को बेहतर बनाने वाली दवा के रूप में स्वीकृति नहीं मिली है.वैज्ञानिकों का कहना है कि यदि कोई व्यक्ति अपने रिश्तों में स्वाभाविक रूप से ऑक्सीटोसिन का स्तर बढाना चाहता है, तो इसके लिए किसी स्प्रे की आवश्यकता नहीं है. वे सलाह देते हैं कि अपने साथी को करीब २० सेकंड तक गले लगाना, साथ मिलकर खाना बनाना, मोबाइल फोन से दूरी बनाकर कुछ मिनट आंखों में आंखें डालकर बातचीत करना या हाथ पकडक़र साथ टहलना जैसी छोटी-छोटी गतिविधियां शरीर में प्राकृतिक रूप से ऑक्सीटोसिन के स्राव को बढाने में मदद कर सकती हैं.विशेषज्ञों का मानना है कि ऑक्सीटोसिन नेजल स्प्रे विज्ञान की एक महत्वपूर्ण खोज जरूर है और भविष्य में अवसाद या पीटीएसडी (झढडऊ) जैसी कुछ मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों के उपचार में इसकी उपयोगिता बढ.सकती है. लेकिन मौजूदा समय में किसी भी रिश्ते की नींव समय, विश्वास, संवाद और देखभाल पर ही टिकी रहती है. अब तक ऐसा कोई वैज्ञानिक विकल्प विकसित नहीं हुआ है जो इन मूलभूत तत्वों की जगह ले सके. सोशल मीडिया पर चाहे इसे 'कामदेव का तीर' कहा जा रहा हो, लेकिन वैज्ञानिक समुदाय का स्पष्ट मत है कि किसी भी रिश्ते को मजबूत बनाने का सबसे प्रभावी तरीका आज भी आपसी विश्वास, सम्मान और निरंतर संवाद ही है.

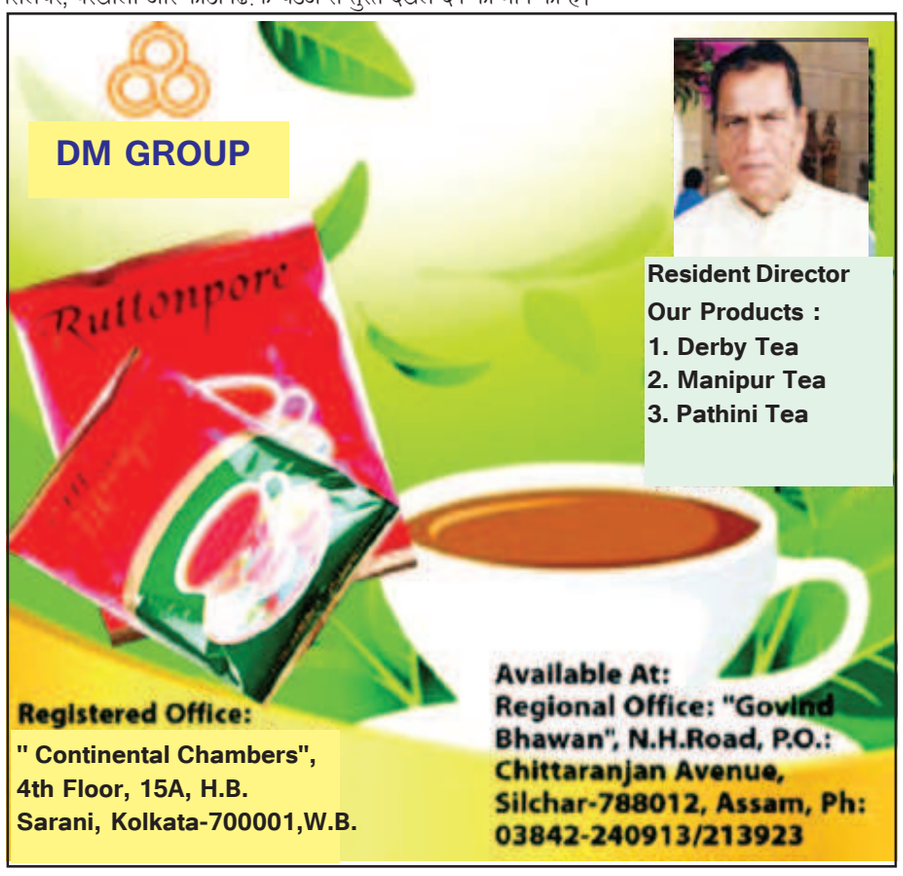

मुद्रक, प्रकाशक व स्वामी श्री दिलीप कुमार द्वारा भारती ऑफसेट मुद्रणालय, कटहल रोड, शिलचर-05 (असम) से मुद्रित व प्रकाशित, सम्पादक-श्रीमती सीमा कुमार, Ph & Fax (03842) 242633, (M) 9435213512